शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 287 | गुवाहाटी | शनिवार, 18 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

वोटर टर्नआउट में देरी पर एससी सख्त, चुनाव आयोग से मांगा जवाब पेज 2
मणिपुर में केसीपी (टी) उग्रवादी गिरफ्तार पेज 3
मोदी राज में सुरक्षित है सनातन और आरक्षण : एनडीए प्रत्याशी संजय पेज 5
चेन्नई और बेंगलुरू के बीच होगा महामुकाबला पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अगर सफल और प्रतिष्ठित बनना है, तो झुकना सीखो। क्यूंकि जो झुकते नहीं, समय की हवा उन्हे झुका देती है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

लोकसभा चुनाव के बीच असम भाजपा में फूट!

विधायक और मंत्री के झगड़े से छिड़ा विवाद

गुवाहाटी। राज्य में भाजपा के भीतर पुराने नेताओं और कांग्रेस से आए लोगों के बीच सबकुछ ठीक नहीं है, इसका एक प्रमाण देखा गया। जहां विधायक मृणाल सैकिया ने जयंत मल्लबरुआ के उस बयान का विरोध किया जिसमें उन्होंने कहा था कि ऐसे लोग हैं जो पिछले 50 वर्षों से पार्टी में हैं, हालांकि, उन्होंने पार्टी को शायद ही समय दिया है। इसलिए, पार्टी में आपका योगदान पार्टी के लिए आपके समर्पण और प्रतिबद्धता को निर्धारित करेगा। विधायक सैकिया ने सीएम से इसका उचित कदम उठाने का आग्रह किया। उधर सीएम ने भी उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। मालूम हो कि राज्य के विधायक मृणाल सैकिया ने सीएम हिमंत विश्व शर्मा से आग्रह किया है कि वह अपने कैबिनेट सहयोगी, जयंत मल्लबरुआ को अपना मुंह बंद रखने के लिए कहें, क्योंकि उनकी बात करने की शैली लोकसभा चुनावों में पार्टी को क्षति पहुंचा रही है। बता दें कि असम में भाजपा के भीतर पुराने नेताओं और कांग्रेस से आए लोगों के बीच लड़ाई है। असम की 14 लोकसभा सीटों के लिए 3 चरणों में चुनाव सपन्न हो चुका है। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल, उसके बाद 26 अप्रैल और 7 मई को हुआ था। वोटों की गिनती 4 जून को होगी। इसी बीच खुमटाई के विधायक मृणाल सैकिया ने एक्स पोस्ट में कहा कि आदरणीय सीएम हिमंत विश्व शर्मा सर, कृपया जयंत मल्ल को पार्टी मामलों के बारे में अपना मुंह बंद रखने के लिए कहें। उन्हें अब तक यह एहसास हो जाना चाहिए कि उनकी बात करने की शैली ने इस चुनाव में पहले ही भाजपा के वोटों को खराब कर दिया है। मल्लबरुआ ने प्रेस को बताया था कि ऐसे लोग हैं जो पिछले 50 वर्षों से पार्टी में हैं, हालांकि, उन्होंने पार्टी को शायद ही समय दिया है। इसलिए, पार्टी में आपका योगदान पार्टी के लिए आपके समर्पण और प्रतिबद्धता को निर्धारित करेगा। बहस में शामिल होते हुए, पूर्व केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और नगांव के पूर्व सांसद राजेन गोहाईं ने कहा कि नाराजगी है और इससे चुनाव में पार्टी की संभावनाओं को नुकसान होगा। पूर्व सांसद राजेन गोहाईं ने कहा कि बिना पार्टी कार्यकर्ता के कोई नेता नहीं बनता और कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। कार्यकर्ता ही हैं जो हमें लोगों से परिचित कराते हैं। पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज करने पर इसके दुष्परिणाम होते हैं। मैं पार्टी के अच्छे होने की कामना करता हूं। इन लोगों की गलतियों के कारण -शेष पृष्ठ दो पर

असम-मेघालय सीमा बैठक : वन भूमि में अनधिकृत प्रवेश होगा प्रतिबंधित

गुवाहाटी। असम और मेघालय के अधिकारियों की एक संयुक्त बैठक में असम के पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले और मेघालय के पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले के सीमावर्ती गांवों में शांति बनाए रखने का संकल्प लिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि खंडुली में कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद (केएएसी) द्वारा प्रवेश कर द्वार स्थापित किया जाएगा ताकि दोनों पक्षों को अनुमति मिल सके। मालूम हो कि 17 अप्रैल, 2023 को मेघालय की ओर से उपद्रवियों के एक समूह ने गेट को जला दिया था। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि असम और मेघालय दोनों प्रशासन मेघालय की ओर से वन भूमि पर अतिक्रमण रोकेंगे। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि असम की ओर रहने वाले खासी लोगों को केएएसी -शेष पृष्ठ दो पर

तिनसुकिया में खाद्य विषाक्तता के प्रकोप से दर्जनों लोग अस्पताल में भर्ती

तिनसुकिया। तिनसुकिया जिले के डूमडूमा के पास फिलोबाड़ी गांव में आज खाद्य विषाक्तता के संदिग्ध प्रकोप के कारण कम से कम 15 से 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्टों के अनुसार, प्रभावित व्यक्ति प्यूपा से बना एक पारंपरिक व्यंजन *पोलू लेटा* खाने के बाद बीमार पड़ गए। स्थानीय व्यंजन खाने के तुरंत बाद पीड़ितों को खाद्य विषाक्तता के गंभीर लक्षण दिखाई देने लगे। उन्हें तत्काल चिकित्सा उपचार के लिए फिलोबारी मॉडल अस्पताल और तिनसुकिया सिविल अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी फिलहाल खाद्य विषाक्तता के कारणों की जांच कर रहे हैं। संदूषण का सटीक स्रोत अज्ञात है, लेकिन -शेष पृष्ठ दो पर

सिब्बल ने जीता सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन का चुनाव

नई दिल्ली। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद का चुनाव जीत लिया। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और वरिष्ठ वकील प्रदीप राय को हराया। वरिष्ठ वकील सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में कुल 1,066 वोट हासिल किए। उधर भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल को सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन का अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि एससीबीए के अध्यक्ष के रूप में चुने जाने पर कपिल सिब्बल को हमारी ओर से हार्दिक बधाई। हम आपके और (कार्यकारी समिति के) सदस्यों के सहयोग की आशा करते हैं। सीजेआई द्वारा दिए शुभकामनाओं पर कपिल सिब्बल ने जवाब -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

सरकार ने 41 दवाओं के घटाए दाम

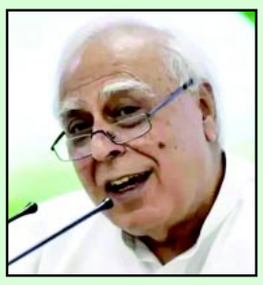

नई दिल्ली। सरकार ने आम तौर पर इस्तेमाल होने वाली 41 दवाओं और मधुमेह, हृदय और लीवर जैसी बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाले छह फॉर्मूलेशन की कीमतें कम कर दी हैं। फार्मास्यूटिकल्स विभाग और राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना अधिग्रहण होगा असंवैधानिक : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपने एक अहम फैसले में कहा कि अगर किसी व्यक्ति को संपत्ति के अधिकार से वंचित करने से पहले उचित कानूनी प्रक्रिया नहीं अपनाई गई तो निजी संपत्तियों का अनिवार्य अधिग्रहण असंवैधानिक होगा। साथ ही शीर्ष कोर्ट ने कहा कि यदि राज्य और उसकी मशीनरी द्वारा उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया जाता तो निजी संपत्तियों के अधिग्रहण -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए : त्रिपुरा सरकार ने नागरिकता देने के लिए बनाई कमेटी

अगरतला। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम सीएए 2019 को लेकर त्रिपुरा सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने सीएए में बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से प्रताड़ित होने के वजह से 31 दिसंबर 2014 या उससे पहले भारत आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदाय के प्रवासियों को भारत की नागरिकता प्रदान करने के लिए के लिए एक कमेटी बनाने का फैसला किया है। शुक्रवार को एक अधिकारी ने जानकारी दी कि सरकार ने नागरिकता देने के के लिए जनगणना संचालन -शेष पृष्ठ दो पर

हाईवे के लिए कट रहे पेड़ों के बारे में एनजीटी ने राज्य से मांगी जानकारी

गुवाहाटी। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की पूर्वी बेंच के न्यायमूर्ति बी अमित स्टालेकर हाईवे निर्माण के दौरान काटे और बचाए गए पेड़ों के बारे में जानकारी न देने पर असम सरकार से असंतोष व्यक्त किया है। गौरतलब है कि यह मामला कामरूप में बोको और आजरा के बीच चार-लेन के हाईवे के निर्माण के दौरान काटे गए पेड़ों से जुड़ा है। 13 मई, 2024 को न्यायमूर्ति स्टालेकर ने सवाल किया है कि क्या जानबूझकर यह महत्वपूर्ण जानकारी अदालत से छिपाई जा रही है। इस मामले में अगली सुनवाई 24 जुलाई 2024 को होनी है। गौरतलब है कि यह मामला 27 अक्तूबर, 2023 को छपी एक खबर पर स्वत: संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने शुरू किया था। इस खबर के मुताबिक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने चार लेन के हाइवे के निर्माण के लिए निचले इलाकों में 2000 से अधिक पेड़ों को काटने की योजना बनाई है। इस खबर में अभिनेता आदिल हुसैन के बयान का हवाला दिया है, जिनका कहना है कि हाईवे का निर्माण सदियों पुराने पेड़ों को काटे बिना संभव है। इस बारे में चार अप्रैल 2024 को असम सरकार ने एक हलफनामा दायर किया था। इस हलफनामे में जिक्र किया है कि देहरादून में भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद को पर्यावरण मंत्रालय ने सर्वोत्तम प्रथाओं और तकनीकों के उपयोग के दस्तावेजीकरण का काम -शेष पृष्ठ दो पर

सोनिया गांधी की भावुक अपील, बोलीं-

मैं आपको अपना बेटा सौंप रही हूं, राहुल निराश नहीं करेंगे

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार राहुल गांधी ने समाजवादी पार्टी प्रमुख और कन्नौज लोकसभा सीट से उम्मीदवार अखिलेश यादव के साथ एक संयुक्त रैली की। एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा कि हमारे परिवार की जड़ें इस धरती की मिट्टी से जुड़ी हुई हैं। गंगा मां की तरह पवित्र इस रिश्ते की शुरुआत अवध और रायबरेली के किसान आंदोलन से हुई। इंदिरा जी के दिल में रायबरेली के लिए विशेष स्थान था। मैंने उन्हें बहुत -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने के विरोध में मणिपुर, मिजोरम में निकाली गईं रैलियां

इंफाल। म्यांमार के साथ फ्री मूवमेंट रिजीम (एफएमआर) को रद करने और पड़ोसी देश के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने के सरकार के फैसले की निंदा करने के लिए बड़ी संख्या में कुकी समुदाय के लोगों ने गुरुवार को मणिपुर और मिजोरम में रैलियां निकालीं। केंद्र ने सीमा पार से अवैध घुसपैठ रोकने के लिए भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने और एफएमआर को रद करने की घोषणा की है। एफएमआर लोगों को अंतर्राष्ट्रीय सीमा के दोनों ओर 16 किमी तक पार करने की अनुमति देता है। मणिपुर और केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर में जातीय संघर्ष के कारणों में से एक के रूप में सीमा पार से अवैध रूप से आने वालों को जिम्मेदार -शेष पृष्ठ दो पर

चार चरणों में इंडी गठबंधन चारो खाने चित्त : नरेंद्र मोदी

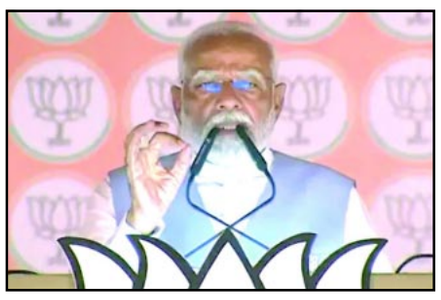

फतेहपुर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सम्मानित जनता ने चार चरणों में ही इंडी गठबंधन को चारो खाने चित्त कर दिया है। भानुमति का कुनबा बिखर रहा है। बचे हुए चुनाव में कोई मेहनत भी नहीं करना चाहता। इंडी गठबंधन के कार्यकर्ता पहले से निराश थे। अब उन्होंने घर से निकलना ही छोड़ दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सपा और कांग्रेस पर जमकर कटाक्ष किए और कहा कि आपको भीतर की बात बताता हूं। मोदी ने कहा कि खबर पक्की होती है तब ही मैं भीतर की बात बोलता हूं। मैंने कहा था कि केरल से वायनाड(राहुल गांधी) से भागेंगे। मैंने कहा था कि वह अमेठी की ओर जाने की हिम्मत नहीं करेंगे। मेरी वह दोनों खबरें पक्की निकलीं या नहीं। अब एक नयी खबर है। कांग्रेस ने अब मिशन फिफ्टी रखा है। उन्होंने कहा है कि कुछ भी करो लेकिन कांग्रेस को कम से कम 50 -शेष पृष्ठ दो पर

मां के एक-एक शब्द का मान रखूंगा : राहुल

रायबरेली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को रायबरेली में जनसभा को संबोधित किया। सोनिया गांधी ने अपने संबोधन में भावुक अपील की। उन्होंने कहा कि मैं आपको अपना बेटा सौंप रही हूं, अपना मानकर रखिएगा। मुझे खुशी है कि काफी समय बाद आपके बीच आने का मौका मिला है। सोनिया गांधी जब ये कह रही थीं, तब राहुल और प्रियंका दोनों उनके पास में ही खड़े थे। सोनिया गांधी की अपील ने रायबरेली सीट से चुनाव लड़ रहे राहुल गांधी को भी भावुक कर दिया। उन्होंने अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

बड़ी लापरवाही : डॉक्टर ने बच्ची की उंगली की जगह कर दी जीभ की सर्जरी

तिरुवनंतपुरम। केरल के कोझिकोड मेडिकल कॉलेज के एक डॉक्टर ने एक बच्ची की उंगली की जगह जीभ की सर्जरी कर दी। इस घटना पर विवाद पैदा होने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था। लड़की को उसकी छठी उंगली निकलवाने के लिए भर्ती कराया गया था। हालांकि, ऑपरेशन थिएटर से बाहर आने पर, परिवार यह जानकर हैरान रह गया कि ऑपरेशन उसकी जीभ पर किया गया था। माता-पिता ने आरोप लगाया कि जब पूछताछ की गई, तो डॉक्टर ने दावा किया कि मुंह के अंदर एक सिस्ट का निदान किया गया था, जिसके लिए जीभ की सर्जरी की आवश्यकता थी। परिवार ने इसका खंडन करते हुए कहा कि लड़की की जीभ में कोई समस्या नहीं थी और डॉक्टर की लापरवाही को *शर्मनाक* बताया। परिवार के एक सदस्य ने कहा कि अस्पताल के अधिकारियों ने उन्हें सूचित किया कि यह एक गलती थी, क्योंकि दो बच्चों की सर्जरी एक ही तारीख को निर्धारित की गई थी। इस घटना से राज्य में आक्रोश फैल गया, जिसके -शेष पृष्ठ दो पर

तीसरे कार्यकाल में यूसीसी लागू करेगी मोदी सरकार : राजनाथ

बलिया (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के सिकन्दरपुर में चुनावी जनसभा में ऐलान किया कि केंद्र में तीसरी बार सत्ता में आने पर समान नागरिक संहिता लागू करेंगे। यह हमारा कमिटमेंट है। क्योंकि यह भारत के संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में शामिल है। राजनाथ सिंह ने सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रवींद्र कुशवाहा के समर्थन में आयोजित जनसभा में कहा कि संविधान निर्माताओं ने भी समान नागरिक संहिता के बारे में कहा था। उन्होंने कहा कि हम राजनीति देश बनाने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

वोटर टर्नआउट में देरी पर एससी सख्त, चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एक गैर सरकारी संगठन की याचिका पर सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग से एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा चुनाव के प्रत्येक चरण के मतदान के 48 घंटे के भीतर अपनी वेबसाइट पर मतदान केंद्र-वार मतदान प्रतिशत डेटा अपलोड करने का निर्देश देने की मांग पर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। इस मुद्दे पर गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की याचिका पर सुनवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ शाम 6:30 बजे एकत्र हुई। सीजेआई ने कहा कि चुनाव आयोग को याचिका पर जवाब देने के लिए कुछ उचित समय दिया जाना चाहिए और इसे सात चरण के लोकसभा चुनाव के छठे चरण से एक दिन पहले 24 मई को ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान उचित पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाना चाहिए। इससे पहले सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह पेश हुए। ईसीआई की ओर से पेश वकील मनिंदर सिंह ने कहा कि इस अदालत द्वारा 26 अप्रैल, 2024 को दिए गए फैसले में नियम 49 और फॉर्म 17सी सहित विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया गया है, जिस पर आवेदकों द्वारा भरोसा किया गया है। इसके अलावा आयोग के वकील सिंह ने कहा कि चुनाव के 4 चरण हो चुके हैं और चूंकि याचिका वर्षों से अदालत के समक्ष लंबित है, इसलिए ईसीआई को जवाब देने का अवसर दिया जाना चाहिए, हम तदनुसार ईसीआई को अनुमति देते हैं। सीजेआई ने कहा कि चुनाव आयोग वोटर टर्नआउट देरी से जारी करने के मामले में जवाब दाखिल कर अपनी आपत्ति स्पष्ट कर सकता है। आयोग का कहना है कि 2019 में आयोग ने हरेक पहलू स्पष्ट किया था। इसके बाद फैसला भी दिया गया। भूषण ने कहा कि पहले दूसरे चरण में डेटा 7 दिन से ज्यादार देरी से सार्वजनिक किया गया। अचानक वोटर टर्नआउट बढ़ गया। इससे पहले दिन में वकील प्रशांत भूषण ने एनजीओ की ओर से मामले का उल्लेख किया और याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग की।

अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया में भारतवंशियों के अधिक प्रतिनिधित्व की जरूरत : कमला

वाशगिंटन (हि.स.)। अमेरिका में निर्वाचित पदों पर भारतवंशियों को अधिक प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। यह मांग करते हुए अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि भारतीय मूल के अमेरिकियों की संख्या उनकी बढ़ती आबादी को नहीं दर्शाती है। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा भारतवंशियों को राजनीति में सक्रिय होना चाहिए। कमला हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी के थिंक टैंक इंडियन अमेरिकन इंपैक्ट के वार्षिक सम्मेलन में यह बात कही। यह संगठन देश भर में निर्वाचित पदों के लिए चुनाव में उतरने वाले भारतीय अमेरिकियों को समर्थन और धन मुहैया कराता है। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भारतवंशियों से खचाखच भरे कक्ष में कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान बड़ी संख्या में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक चुनाव प्रक्रिया में शामिल हुए। लेकिन फिर भी यह संख्या उनकी बढ़ती जनसंख्या के सही अनुपात को नहीं दर्शाती।वर्तमान में अमेरिकी संसद में भारतीय मूल के पांच निर्वाचित सदस्य हैं, जिसमें डा. अमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार शामिल हैं। अमेरिकन इंपैक्ट का मानना था कि 2024 में अमेरिकी संसद में भारतीय मूल के अमेरिकियों की संख्या बढ़कर 10 हो जाएगी। राष्ट्रपति पद के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा के संबंध में इंडियन अमेरिकन इंपैक्ट का कहना है कि अमेरिका में भारतवंशी चुनाव परिणाम को भी प्रभावित कर सकते हैं।

EDUCATIONAL NOTICE

No. TE(Ex) Admn-6/2023/240

COUNSELLING AND PROVISIONAL ADMISSION INTO THE STATE GOVERNMENT POLYTECHNICS OF ASSAM FOR THE SESSION-2024-25.

[THROUGH LATERAL ENTRY FOR I.T.I. STUDENTS]

In continuation of the notice published in the local dailies vide no. Janasanjog/ D/751/24, dated 15/05/2024. It is brought to the notice of all concerned that **"Registration Process"** for counselling for provisional admission into the 3rd semester Diploma in Engineering and Technology courses of State Government Polytechnic of Assam will be started as per the schedule mentioned below:-

Venue :- Directorate of Technical Education, Assam, Kahilipara, Guwahati-19.

Date & day	Candidates must register with this time frame	For branch [Merit & Waiting list]
28/05/2024 Tuesday	10.00 a.m. to 11.30 a.m.	Instrumentation Engineering; Computer Engineering; Electronics & Telecommunication Engineering & Electrical Engineering
29/05/2024 Wednesday	10.00 a.m. to 11.30 a.m.	Mechanical (Auto) Engineering, Civil Engineering
30/05/2024 Thursday	10.00 a.m. to 11.30 a.m.	Mechanical Engineering

For details information related to counselling process candidates are requested to visit at https://dte.assam.gov.in

Director of Technical Education, Assam, &
Secretary, State Council for Technical Education, Assam,
Kahilipara, Guwahati-19.

-- Janasanyog /D/820/24/18-May-24

अज्ञात नवजात का शव बरामद

गुवाहाटी। महानगर के जीएमसीएच अस्पताल में गत तीन-चार दिन पहले सुबह के समय एक अज्ञात नवजात बच्चे का शव मिला। मालूम हो कि जीएमसीएच के 4 नंबर जननी गेट रोड किनारे नवजात शिशु का शव मिला। शिशु का शव जीएमसीएच के मुर्दाघर में रखा गया है। शव की पहचान के लिए अभी तक कोई सामने नहीं आया है। घटना की जानकारी भांगागढ़ थाने को दे दी गई है।

पीओके भारत का है, रहेगा और हम इसे लेकर रहेंगे : अमित शाह

रायबरेली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को रायबरेली में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मणिशंकर अय्यर और फारूख अब्दुल्ला कहते हैं कि पीओके की बात मत करो। पाकिस्तान के पास एटम बम है। मैं आज यहां से कहकर जाता हूं, आपको डरना है तो डरिये लेकिन पीओके भारत का है, रहेगा और हम इसे लेकर रहेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में एसबीएस कान्वेंट स्कूल के सामने मैदान, परशुरामपुर, थिकाही जगतपुर सलोन रोड में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आजादी के 70 साल के बाद नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की है। ये कांग्रेस वाले कहते हैं कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ढंग से नहीं हुई। लेकिन, मेरी बात याद रखना अगर ये इंडी अलायंस वाले आ गए, तो ये राम मंदिर पर फिर से बाबरी ताला लगा देंगे। अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोग केवल अपने परिवारों के लिए राजनीति करने वाली कांग्रेस और सपा का पूरी तरह सफाया करने का मन बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और इंडी अलायंस परिवारवादी गठबंधन है। ये सिर्फ अपने परिवार की सोचते हैं। लालू प्रसाद यादव अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। ममता बनर्जी अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना चाहती हैं और सोनिया गांधी अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। वह कह रहे हैं कि रायबरेली और अमेठी की सीट हमारे परिवार की सीट हैं। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि इन्हें किसने विरासत में दी ये सीट? राबरेली व अमेठी वाले जिसे चाहेंगे वहीं संसद जायेगा। जो संकट में साथ रहता है जो विकास की बात करता है। मैं डंके की चोट पर कह रहा हूं कि अमेठी में स्मृति बहन और रायबरेली से दिनेश प्रताप सिंह जीतेंगे और ये दोनों सीट पीएम मोदी की झोली में जाने वाली हैं। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश से गुंडों को चुन-चुनकर साफ करने का काम योगी आदित्यनाथ ने किया है। जो परिवार की सीट कहते हैं, उनकी लोकसभा में 70 साल से कलेक्टर ऑफिस नहीं था। 2018 में वहां कलेक्टर ऑफिस की नींव डालने का काम योगी आदित्यनाथ की सरकार ने किया है।

ममता के खिलाफ टिप्पणी अभिजीत गांगुली को ईसी ने दिया नोटिस

कोलकाता (हि.स.)। कलकत्ता हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भाजपा उम्मीदवार अभिजीत गांगुली को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए चुनाव आयोग ने नोटिस भेजा है। आयोग ने अभिजीत को कारण बताओ नोटिस जारी किया, जिसमें कहा गया कि पूर्व न्यायाधीश की टिप्पणियां बिल्कुल बेतुका, गलत निर्णय वाली, शालीनता की सीमा का उल्लंघन करने वाली और बदसूरत हैं। अभिजीत ने बुधवार को हल्दिया के चैतन्यपुर में एक सभा से मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि ममता बनर्जी आप कितने में बिक गईं? हल्दिया की सभा का एक वीडियो भी सामने आया है। अभिजीत को वहां यह कहते हुए सुना जा सकता है, तृणमूल का कहना है, रेखा पात्रा को दो हजार रुपए में खरीदा गया था। ममता बनर्जी आप कितने पैसे में बिकती हैं? अगर कोई आपको आठ लाख रुपए देता है तो उसको नौकरी मिल जाती है, अगर कोई आपको दस लाख रुपए देता है तो राशन खत्म हो जाता है! आपकी कीमत 10 लाख रुपए क्यों है? आप केया सेठ से चेहरे पर मेकअप लगवाती हैं?

पृष्ठ एक का शेष

लोकसभा चुनाव के ...

एक दिन भाजपा की स्थिति खराब हो जाएगी। साथ ही सांसद गोहाईं ने पिछले साल के परिसीमन अभ्यास पर अपनी नाराजगी व्यक्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वह इस बात से भी नाराज थे कि परिसीमन अभ्यास के परिणामस्वरूप निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जनसांख्यिकीय परिवर्तन होने के बाद भाजपा नगांव में कमजोर हो गई। उनके बयान पार्टी के भीतर अच्छे नहीं रहे। इसी बीच विवाद में हस्तक्षेप करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा ने कहा कि पार्टी किसी भी नेता के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए काफी मजबूत है। सीएम हिमंत ने कहा कि मतदान के दिन पार्टी के खिलाफ बोलना और पुराने और नए समय का प्रमाण पत्र देना अनावश्यक है। हमारे प्रदेश पार्टी अध्यक्ष की टिप्पणियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष के पास भेजेंगे और वह उचित कार्रवाई करेंगे।

असम-मेघालय सीमा...

अधिकारियों से भूमि दस्तावेज प्राप्त करना होगा। इसके साथ ही मेघालय की ओर रहने वाले कार्बी लोगों को मेघालय प्रशासन से भूमि दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। बैठक में असम की ओर की वन भूमिस मत्स्य पालन में मेघालय की ओर से लोगों के प्रवेश को प्रतिबंधित करने का भी निर्णय लिया गया। इसके अलावा, बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में सभी सरकारी विकास परियोजनाओं को अनुमति देने का निर्णय लिया गया, जिसमें असम सरकार की असम माला परियोजना के तहत बैठालांगसो-हमरेन से खंडुली तक सड़कों का निर्माण भी शामिल है। बैठक में पश्चिम कार्बी आंग्लांग के सीमा मजिस्ट्रेट आलम गिर लस्कर और पश्चिम जयंतिया हिल्स के सीमा मजिस्ट्रेट बी लोंगबांग, हैमरेन पुलिस स्टेशन ओसी अमरज्योति बाइलुंग, सोचेंग अमरेंग विकास समिति के अध्यक्ष ऑगस्टीन हंस और कार्बी छात्र संघ (केएसए) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

तिनसुकिया में खाद्य ...

स्वास्थ्य अधिकारी कारण निर्धारित करने के लिए पोलु लेटा की तैयारी और भंडारण के तरीकों की जांच कर रहे हैं। जांच पूरी होने तक, स्वास्थ्य अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को एहतियात के तौर पर प्यूपा आधारित व्यंजन का सेवन करने से बचने की सलाह दी है। इस प्रकोप ने स्थानीय समुदाय के भीतर खाद्य सुरक्षा प्रथाओं के संबंध में चिंताएं बढ़ा दी हैं। घटना की जांच जारी रहने के कारण अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

सीएए : त्रिपुरा सरकार ने ...

के डायरेक्टर की अध्यक्षता में छह सदस्यीय की राज्य स्तरीय कमेटी का गठन किया है। जनगणना संचालन निदेशक रवींद्र रियांग ने बताया कि गृह मंत्रालय की गाइडलाइन के बाद सीएए के तहत भारत की नागरिकता देने के लिए राज्य स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति का गठन हुआ है। रियांग ने ये भी बताया कि त्रिपुरा के सभी जिलाधिकारियों को सीएए के तहत आवेदन प्राप्त करने और उन्हें राज्य-स्तरीय समिति को भेजने से पहले उनकी जांच करने के लिए जिला-स्तरीय अधिकार प्राप्त समितियों का गठन करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग छठी अनुसूची के तहत रह गए हैं, वे अधिनियम के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने के पात्र नहीं हैं। रियांग ने नागरिकता लेने वाले लोगों के बारे में बताते हुए कहा कि धार्मिक उत्पीड़न की वजह से तीन खास देशों से आकर अगरतला की नगर पालिकाओं, नगर पंचायतों और ग्राम पंचायतों जैसे गैर-छठी अनुसूची क्षेत्रों में शरण लेने वाले लोग ही सीएए के तहत भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के नियमों को जारी करने के लगभग दो महीने बाद केंद्र सरकार ने बुधवार को नागरिकता प्रमाण पत्र का पहला सेट जारी किया था। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने कुछ आवेदकों को नागरिकता प्रमाण पत्र सौंपे हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक गृह सचिव ने आवेदकों को बधाई दी और नागरिकता (संशोधन) नियम 2024 की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डाला।

हाईवे के लिए...

सौंपा था। भारत में बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं के दौरान पेड़ों को काटने के बजाय उनको कहीं ओर कैसे ले जाया जा सकता है, यह प्रथाएं उससे जुड़ी हैं। देहरादून में वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) ने एक अध्ययन किया था, जिसमें विभिन्न राज्यों से आंकड़े एकत्र किया गए और भारत में पेड़ों के स्थानांतरण पर एक रिपोर्ट पर्यावरण मंत्रालय को सौंपी गई। हालांकि इस रिपोर्ट को शपथ पत्र के साथ दाखिल नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, चार अप्रैल, 2024 को दायर हलफनामे में संदर्भित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की प्रति भी प्रदान नहीं की गई है, हलफनामे में केवल उसकी कुछ बातों का उल्लेख किया है। हलफनामे में यह भी नहीं बताया गया है कि एसओपी की तारीख क्या है या किसने इसपर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, एसओपी के अनुसार किन पेड़ों को संरक्षित किया जा सकता है या नहीं, इसके आंकड़ों का कोई जिक्र नहीं है। वहीं असम सरकार द्वारा प्रस्तुत दो हलफनामों में से किसी में भी इन निर्णयों के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने 14 मई 2024 को गौरी घाट पर हो रहे अवैध रेत खनन के खिलाफ की गई कार्रवाई पर सरायकेला के जिला मजिस्ट्रेट को जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह भी जवाब मांगा है कि कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ क्या कोई कार्रवाई की गई है। साथ ही क्या इन उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पर्यावरणीय मुआवजे की गणना की गई है और क्या इसकी वसूली के लिए कानून के तहत कार्रवाई की गई है। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जेएसपीसीबी) ने अपनी रिपोर्ट में जानकारी दी थी कि नौ अप्रैल, 2024 को किए निरीक्षण के दौरान गौरी घाट पर अवैध खनन के संकेत मिले थे। बताया गया है कि स्थानीय ग्रामीणों द्वारा नदी तल से अवैध खनन किया जा रहा था। गौरतलब है कि प्लास्टिक और टिन के ड्रमों की मदद से नावें बनाकर अवैध खनन किया जा रहा था। सात मई 2024 को इनमें से पांच नावें जब्त कर नष्ट कर दी गई। इनमें से कुछ नावों पर रेत पाई गई थी। इसके साथ ही नदी तट पर रेत के दो ताजा भंडार देखे गए, जो हालिया गतिविधियों का संकेत देते हैं। इसके अलावा, गौरी घाट तक पहुंचने वाली दो सड़कों को खाइयों का उपयोग करके अवरुद्ध कर दिया गया है। हालांकि इस मामले में सरायकेला के उपायुक्त या जिला दंडाधिकारी की ओर से अब तक कोई शपथ पत्र जमा नहीं किया गया है। एनजीटी ने यह भी सवाल किया है कि 22 फरवरी, 2024 को एनजीटी की दिल्ली बेंच और फिर दो अप्रैल 2024 को कोलकाता में पूर्वी बेंच से नोटिस मिलने के बावजूद, सरायकेला के उपायुक्त या जिला मजिस्ट्रेट ने अभी तक हलफनामा क्यों जमा नहीं किया है। अदालत ने इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि क्या राज्य उल्लंघनकर्ताओं को बचा रहा है।

मैं आपको अपना ...

करीब से काम करते देखा है... सोनिया ने कहा कि मैंने राहुल और प्रियंका को वही शिक्षा दी है, जो इंदिरा जी और रायबरेली की जनता ने मुझे दी थी; सबका आदर करो, कमजोर की रक्षा करो। अन्याय के खिलाफ जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए, जिससे भी लड़ना पड़े, लड़ जाओ। डरना मत.. क्योंकि संघर्ष की तुम्हारी जड़ें और परंपराएं बहुत मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि आपके प्यार ने मुझे कभी अकेला महसूस नहीं होने दिया। मेरे पास जो कुछ भी है वह आपका है... मैं अपना बेटा आपको सौंप रही हूं। आपको उसे स्वीकार करना होगा, जैसे आपने मुझे स्वीकार किया। राहुल आपको निराश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि 20 साल तक एक सांसद के रूप में आपने मुझे सेवा का मौका दिया है। ये मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। रायबरेली मेरा परिवार है, वैसे ही अमेठी भी मेरा घर है। यहां से न केवल मेरे जीवन की कोमल यादें जुड़ी हुई हैं, बल्कि पिछले 100 साल से हमारे परिवार की जड़ इस मिट्टी से जुड़ी हुई है। प्रियंका गांधी ने कहा कि 10 साल से देश की जनता प्रताड़ित हो रही है, न्याय के लिए पुकार रही है। लेकिन नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों, मजदूरों, महिलाओं, गरीबों की एक पुकार न सुनी। अब देश की पुकार है कि नरेंद्र मोदी की तानाशाह सरकार को उखाड़ फेंका जाए। रायबरेली की जनता पूरे देश को ये संदेश दे कि हम एक स्वच्छ राजनीति चाहते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि रायबरेली में उमड़ा ये जनसैलाब इस बात की बानगी है कि राहुल गांधी जी रिकॉर्ड वोटों से जीतने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी हर जगह से अपना एक झूठा रिश्ता निकाल लेते हैं। मोदी जी भी देख लें - राहुल गांधी जी का रायबरेली से सच्चा रिश्ता है। रायबरेली में एक और एक ग्यारह हो गया है और भाजपा *नौ दो ग्यारह* हो गई है। वहीं राहुल गांधी ने कहा कि मैं जो चाहूं... नरेंद्र मोदी से बुलवा सकता हूं। उन्होंने कहा कि ढ्ढहृष्ठढ्ढ की सरकार बनते ही.. 4 जुलाई को लाखों परिवारों के बैंक अकाउंट में 8,500 रुपए पहुंच जाएंगे। नरेंद्र मोदी ने 22 अरबपति बनाए हैं, हम करोड़ों लखपति बनाएंगे।

भारत-म्यांमार सीमा ...

ठहराया था। जातीय संघर्ष में 200 से अधिक लोग मारे गए थे। कुकी समुदाय से जुड़े सैकड़ों लोगों ने मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में रैली निकाली। साथ ही हजारों प्रदर्शनकारियों ने कई जुलूसों में हिस्सा लिया। मणिपुर और मिजोरम म्यांमार के साथ 390 किमी और 510 किमी लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। मिजोरम में जो यूनिफिकेशन आर्गेनाइजेशन (जोरो) द्वारा आयोजित रैलियां चंफाई और लुंगलेई जिलों में आयोजित की गईं। जोरो एक मिजो समूह है जो भारत, बांग्लादेश और म्यांमार की सभी चिन-कुकी-मिजो-जोमी जनजातियों को एक प्रशासन के तहत लाकर उनका पुनर्मिलन चाहता है। जोरो महासचिव एल रामदीनलियाना रेंथलेई ने कहा कि वफाई और आसपास के गांवों के हजारों लोगों ने सुबह जुलूस निकाला, जबकि लगभग 7,000 प्रदर्शनकारियों ने जोखावथर रैली में भाग लिया। उन्होंने दावा किया कि म्यांमार के ख्वामावी और पड़ोसी गांवों के सैकड़ों लोगों ने भी जोखावथर रैली में हिस्सा लिया, जबकि कई लोग भारत में प्रवेश नहीं कर सके क्योंकि संबंधित अधिकारियों को किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए फ्रेंडशिप गेट बंद करना पड़ा।

सिब्बल ने जीता सुप्रीम...

दिया। उन्होंने सीजेआई को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि 22 साल बाद मुझे बार की सेवा करने का मौका दिया गया है। हमारी तरफ से आपको पूरा सहयोग मिलेगा और यह बेंच के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। हम सहयोग के माध्यम से कोर्ट के एजेंडे को आगे ले जा सकेंगे। सिब्बल के अलावा, वरिष्ठ अधिवक्ता आदिश सी अग्रवाल, प्रदीप कुमार राय, प्रिया हिंगोरानी और अधिवक्ता त्रिपुरारी रे और नीरज श्रीवास्तव एससीबीए अध्यक्ष पद की दौड़ में थे। सूत्रों के मुताबिक, गुरुवार को हुए चुनाव में सिब्बल को 1,000 से ज्यादा वोट मिले, जबकि राय को 650 से ज्यादा वोट मिले। हार्वर्ड लॉ स्कूल से स्नातक सिब्बल 1989-90 के दौरान भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल थे। उन्हें 1983 में वरिष्ठ वकील के रूप में नामित किया गया था। 1995 और 2002 के बीच कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने तीन बार एससीबीए अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

चार चरणों में ...

सीटें मिल जाएं। इसके लिए भानुमति के कुनबे में हवा भरने की कोशिश की जा रही है। लेकिन जिस इंडी गठबंधन की गाड़ी पहले दिन से ही पंचर हो, वह कितना चल सकेगा। उन्होंने कहा कि पंजे और साइकिल के सपने टूट गए खटाखट... खटाखट...। अब चार जून के बाद की प्लानिंग हो रही है कि हार की ठीकरा किस पर फोड़ा जाए। मुझे तो कोई बता रहा था कि विदेश यात्रा का टिकट भी बुक हो गया है। उन्होंने कहा कि साथियों, यूपी में कांग्रेस का कोई वजूद नहीं है। पूरी कांग्रेस परिवार की इज्जत बचाने में जुटी है। फिर भी यूपी में दो लड़कों की जोड़ी आ जाती है। पीएम मोदी ने सपा-कांग्रेस को आतंकवादियों का हमदर्द बताया। साथ ही उन्होंने उनके सभी कार्यो को समान बताए। पीएम मोदी ने विपक्ष की कमियां गिनाईं तो अपनी सरकार की उपलब्धियों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने यूपी को विकास में टॉपर बना दिया है। एयरपोर्ट, एक्सप्रेसवे, मेट्रो के कार्य में यूपी टॉप पर है। गरीब कल्याण योजना में भी उप्र शीर्ष पर है। 2014 में मेरी सरकार आई तो मुझे सपा के शहजादे से उम्मीद थी। मुलायम सिंह के बेटे से इतनी तो उम्मीद की ही जा सकती थी। हमारी सरकार सपा के शहजादे की सरकार से गरीबों की लिस्ट मांगती रही। उन्होंने नहीं भेजी। अगर वह गरीबों की लिस्ट भेजते तो गरीबों को मकान मिल जाता। इनकी लापरवाही से कुछ हजार मकान ही बन पाए। उन्होंने कहाकि मैंने कहा था कि ऐसी गरीब विरोधी सरकार को जनता उखाड़ फेकेगी। जबसे यूपी में भाजपा की सरकार बनी तब से शहरों में 15 लाख और गांवों में 35 लाख मकान हमारी सरकार बनाकर दे चुकी है। कानपुर कोलकाता हाईवे अब छह लेन का हो रहा है। पहले पाइप से गैस गिने चुने शहरों में पहुंचती थी। आज तेजी से कई शहरों में इस कार्य को विस्तारित किया जा रहा है। फतेहपुर के लोग बताएं कि कांग्रेस के शासनकाल में कभी ऐसा विकास देखा था। यूपी के विकास के लिए मोदी की हर गारंटी पूरी हो, इसके लिए आपका आशीर्वाद चाहिए। 20 मई को कौशांबी से विनोद सोनकर, फतेहपुर से साध्वी निरंजन और बांदा से आरके पटेल को जिताएं।

मां के एक-एक ...

मां सोनिया का ये वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा, यह पल मेरे लिए बहुत ही भावुक कर देने वाला था। मां ने रायबरेली की 100 साल की सेवा की परंपरा का ध्वज आज मुझे भरोसे के साथ सौंप दिया। मैं गर्व के साथ यह जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं। वादा करता हूं कि मां के कहे एक-एक शब्द का मान रखूंगा। राहुल गांधी ने रायबरेली के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मनरेगा के बाद हम *भोजन का अधिकार* योजना लाए थे। हर गरीब को हमने भोजन देने का काम किया। उस काम को पीएम मोदी करना नहीं चाहते थे लेकिन योजना आ गई थी तो उन्होंने इसे चलाया। मगर, मैं देश के गरीबों से कह रहा हूं कि आज आपको पांच किलो अनाज मिलता है लेकिन हम दस राशन और तेल देंगे। गांधी परिवार की परंपरागत सीट रायबरेली से सोनिया गांधी भी सांसद भी रह चुकी हैं। उन्होंने रायबरेली के लोगों को संबोधित करते हुए कहा, एक सांसद के रूप में रायबरेली की जनता ने मुझे सेवा करने का अवसर दिया है। यह मेरे जीवन की पूंजी है। इस बार वो लोकसभा चुनाव नहीं लड़ रही हैं। उनकी जगह राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव मैदान में हैं। इस सीट पर 20 मई को वोट डाले जाएंगे।

बड़ी लापरवाही : डॉक्टर ...

बाद स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने चिकित्सा शिक्षा निदेशक से एक रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद डॉ. बिजोन जॉनसन को निलंबित कर दिया। मंत्री ने अस्पतालों को सर्जरी और अन्य चिकित्सा प्रक्रिया प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। लड़की के परिवार की शिकायत के आधार पर डॉक्टर के खिलाफ आईपीसी की धारा 336 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) और 337 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कृत्य से चोट पहुंचाना) का हवाला देते हुए पुलिस मामला दर्ज किया गया था। इस बीच, विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने घटना की निंदा की, राज्य में चिकित्सा सेवाओं की गिरती गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त की और इसकी चिकित्सा प्रतिष्ठा को संभावित नुकसान की चेतावनी दी।

तीसरे कार्यकाल में ...

करते हैं। आज देश की चौड़ी सड़कों का श्रेय अटल जी को जाता है। वर्ष 2014 में आए मोदी जी ने अब तक क्या नहीं किया है। अभी आगे बहुत कुछ करेंगे। सिंह ने कहा कि पिछले दस सालों में भारत के प्रति दुनिया में धारणा बदली है। पहले भारत को कमजोर समझा जाता था। आज भारत बोलता है तो दुनिया कान खोलकर सुनती है। वर्ष 2004 में अर्थव्यवस्था में भारत को अटल जी ने 11वें स्थान पर लाकर खड़ा किया था। डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार में देश की हालत खस्ता हो गई। रक्षामंत्री सिंह ने कहा कि वे किसी प्रधानमंत्री की आलोचना नहीं करते। आज मोदी सरकार में भारत की अर्थ व्यवस्था दुनिया में पांचवें स्थान पर है। भाजपा के वरिष्ठ नेता सिंह ने मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट के हवाले से कहा कि दुनिया में सबसे तेज अर्थव्यवस्था भारत की है। उसने यह भी कहा कि यदि भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार इसी तरह रही तो 2027 तक यह दुनिया में तीसरे स्थान पर होगा।

सरकार ने 41 ...

एंटासिड, मल्टीविटामिन और एंटीबायोटिक्स उन दवाओं में से हैं जो सस्ती हो जाएंगी। फार्मा कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे विभिन्न दवाओं की कम कीमत की जानकारी तत्काल प्रभाव से डीलरों और स्टॉकिस्टों को दें। एनपीपीए की 143वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवश्यक दवाओं की कीमत जनता के लिए सस्ती रहे। डायबिटीज के सबसे ज्यादा मामले भारत में पाए जाते हैं भारत दुनिया में मधुमेह के सबसे अधिक मामलों वाले देशों में से एक है, देश में 10 करोड़ से अधिक मधुमेह रोगी हैं, जिन्हें कीमत में कटौती से लाभ होने की उम्मीद है। पिछले महीने, फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने 1 अप्रैल से प्रभावी, 923 अनुसूचित दवा फॉर्मूलेशन के लिए अपनी वार्षिक संशोधित छत कीमतें और 65 फॉर्मूलेशन के लिए संशोधित खुदरा कीमतें जारी कीं।

कानूनी प्रक्रिया का ...

के बदले मुआवजे के भुगतान की वैधानिक योजना भी उचित नहीं होगी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने यह टिप्पणी करते हुए कोलकाता नगर निगम की अपील खारिज कर दी। शहरी निकाय ने कोलकाता हाई कोर्ट की एक खंडपीठ के उस फैसले को चुनौती देते हुए शीर्ष कोर्ट की शरण ली थी, जिसमें एक पार्क के निर्माण के लिए शहर के नारकेलडांगा नॉर्थ रोड पर एक संपत्ति के अधिग्रहण को रद्द कर दिया था। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि नगर निगम के पास अनिवार्य अधिग्रहण के लिए एक विशिष्ट प्रविधान के तहत कोई शक्ति नहीं है। शीर्ष कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अनुच्छेद 300ए के तहत भूमि मालिक को प्रक्रियात्मक अधिकार प्रदान किए जाते हैं।

सिलचर में 3 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। सिलचर में 3 किग्रा गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा शुक्रवार को दी गई जानकारी के अनुसार एक गुप्त सूचना के आधार पर सिलचर के रामनगर आईएसबीटी परिसर में रंगपुर कोराती ग्राम के आरोपी चंदन दास के कब्जे से 3 किग्रा गांजा बरामद किया गया। इसे जब्त कर लिया गया। वह इसे परिवहन के उद्देश्य से एक पैकेट में ले जा रहा था। नाइट सुपर बस द्वारा सिलचर से गुवाहाटी होते हुए अन्य राज्यों के लिए इसे ले जाया जा रहा था। आगे की विधिसम्मत कार्रवाई शुरू की गई।

मणिपुर में केसीपी (टी) उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी के साथ ही उग्रवादियों के पकड़े जाने का सिलसिला भी लगातार जारी है। इसी सिलसिले में सुरक्षा बलों के अभियान में एक केसीपी (टी) संगठन के कैडर को पकड़ा गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले से केसीपी (टी) संगठन के जिस सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया है, उसकी पहचान इंफाल पश्चिम के लैसराम रोनेन सिंह (48) के रूप में हुई है। वह पाओना और थंगल बाजार इलाके में दुकानों से फिरौती वसूली में शामिल था। उसके पास से मैगजीन के साथ एक .32 मिमि की पिस्तौल, मैगजीन के साथ चार जिंदा कारतूस, दो मोबाइल फोन, एक चार पहिया वाहन, एक बैग, 2500 रुपए नकद और कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद की गईं। आगे की जांच के लिए मामला दर्ज कर लिया गया है। उग्रवादी गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

दक्षिण सालमारा (हिंस)। दक्षिण सालमारा-मानकचार जिले के बाघापाड़ा इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को रेत लेकर जा रहे पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलट गया। जिसके वजह से चालक समय दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को पुलिस की मदद से बाघापाड़ा स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया। पुलिस इस संबंध में दुर्घटना का एक प्राथमिकता दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गुवाहाटी और बरपथार के बीच डेमू स्पेशल ट्रेन

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने यात्रियों की बढ़ती मांग की पूर्ति के लिए गुवाहाटी और बरपथार के बीच एक डेमू स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 18 से 21 मई तक दोनों दिशाओं में चार फेरों के लिए चलेगी। इस महत्वपूर्ण मार्ग पर यह ट्रेन दैनिक यात्रियों की सुविधा के लिए यात्रा का एक विकल्प प्रदान करेगी। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने शुक्रवार को बताया कि स्पेशल ट्रेन संख्या 07676 (बरपथार-गुवाहाटी) बरपथार से 05:15 बजे रवाना होकर उसी दिन गुवाहाटी 12:45 बजे पहुंचेगी।

गुवाहाटी और चिरांग में कई स्थानों पर तूफान के कारण भारी तबाही

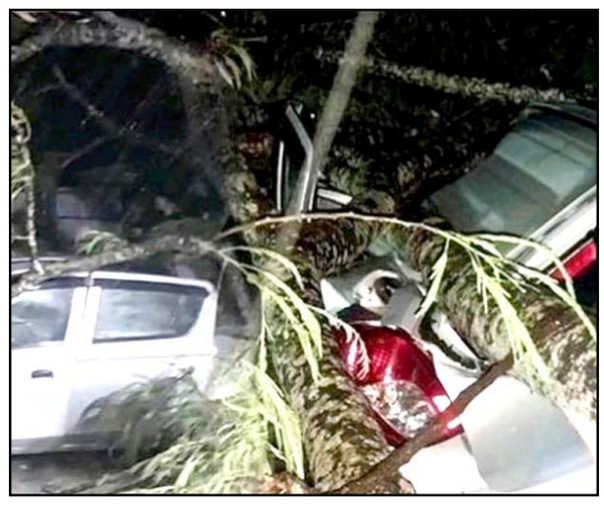

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी के गीतानगर इलाके में तूफान और बारिश से भारी तबाही होने की सूचना है। गीतानगर रोड पर एक विशाल पेड़ बिजली के खंभे पर गिर गया। पेड़ एक कार पर गिर गया। पेड़ मुख्य सड़क पर गिर गया, जिससे भारी जाम लग गया। ट्रैफिक पुलिस लगातार सड़क साफ कराने में जुटी हुई है। खबर लिखे जाने तक सड़क को चालू नहीं किया जा सका है। हालांकि, इस घटना में कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। तूफान ने गुवाहाटी और उसके आसपास के इलाकों में कमोबेश नुकसान पहुंचाया। गुवाहाटी शहर के चांदमारी, अनुराधा और बामुनीमैदाम आदि इलाकों में कृत्रिम बाढ़ की भी खबरें हैं। प्रशासन ने जनता से मौसम को देखते हुए सतर्क रहने की अपील की है। चिरांग के विभिन्न हिस्सों में तूफान और बारिश के कारण भारी तबाही हुई। गुरुवार की देर रात आए इस तूफान से व्यापक नुकसान होने की खबरें हैं। तूफान के कारण बड़े-बड़े पेड़ उखड़ गए। एक चार पहिया वाहन पर एक विशाल पेड़ गिर गया। वाहन में सवार लोग बाल-बाल बचे। यह घटना चिरांग में आई नदी पर हग्रामा पुल के पास हुई।

यूपीएससी परीक्षा में मणिपुर के छात्रों को चूराचांदपुर से दीमापुर के लिए ट्रांसपोर्ट की सुविधा मुहैया कराने का आदेश

नई दिल्ली (हिंस)। सुप्रीम कोर्ट ने यूपीएससी परीक्षा में मणिपुर के छात्रों को हो रही दिक्कत को देखते हुए छात्रों को चूराचांदपुर से दीमापुर जाने के लिए ट्रांसपोर्ट की सुविधा मुहैया कराने का आदेश दिया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के बाहर जाने वाले हर उम्मीदवार को पांच हजार रुपए और राज्य के अंदर परीक्षा देने वाले को तीन हजार रुपए देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि उपद्रवग्रस्त इलाके के एक उम्मीदवार को पब्लिक ट्रांसपोर्ट सर्विस न मिलने की वजह से पांच हजार रुपए दिए जाएंगे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर राज्य बस का किराया या ट्रेन में दूसरे दर्जे का किराया दिया जाने की मांग करते हुए उनके रहने खाने के लिए धन भी देने की अपील की गई थी।

कछार में 128 ग्राम हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार में 128 ग्राम हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा शुक्रवार को दी गई जानकारी के अनुसार एक गुप्त के आधार पर दो व्यक्तियों मोहम्मद अली (32) और रोशिदुल रहमान (30) को सिलचर रेलवे स्टेशन, तारापुर तथा आरपीएफ ऑफिसर्स रेस्ट हाउस के प्रवेश द्वार पर हेरोइन के साथ पकड़ा गया। हेरोइन को 10 प्लास्टिक की साबुनदानी में पैक किया गया था। उनका वजन लगभग 128 ग्राम था, जिन्हें आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद प्रक्रियाओं के अनुसार जब्त कर लिया गया। आगे की विधिसम्मत कार्रवाई शुरू की गई है।

मेघावी विद्यार्थियों को मारवाड़ी सम्मेलन ने किया सम्मानित

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ जिला के मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारिआलि महिला शाखा द्वारा मेधावी विद्यार्थी का सम्मान प्रदान किया गया। महिला शाखा के सौजन्य में आज सन 2024 मैट्रिक में जिन बच्चों मारवाड़ी बच्चों ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन मेधावी विद्यार्थी को उनके घर पहुंचकर फुलाम गामोछा, प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है। सर्वप्रथम सम्मानित मेधावी विद्यार्थी नेहा दसानीज (91.8 प्रतिशत), पलक पाण्डेय (90 प्रतिशत)और हिमाक्षी शर्मा (74 प्रतिशत) को मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा द्वारा हार्दिक बधाईयां तथा मंगलमय आशीष प्रदान की। इस मौके पर मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारिआलि महिला शाखा के अध्यक्ष किरन भरतीया, उपाध्यक्षा अंकिता शर्मा, सचिव शिल्पी गोयनका, द्वारा सम्मानित किया गया। उपस्थित पदाधिकारी ने विद्यार्थी को समाज के साथ देशहित सर्वोपरी मानते हुए अपना लक्ष्य निर्धारित करने का आशा व्यक्त की। वहीं **विश्वनाथ** से हमारे संवाददाता के अनुसार आज विश्वनाथ मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा ने हाल ही में सीबीएसई की ओर से घोषित 10 की नतीजों में विश्वनाथ चारियाली की दी ईस्ट इंडियन स्कूल द ईस्ट इंडियन स्कूल की मेघावी छात्रा नेहा दस्सानी ने कुल 91.80 प्रतिशत प्रतिशत अंकों के साथ सफलता अर्जित की थी जिस पर खुशी जाहिर करते हुए आज विश्वनाथ मारवाड़ी सम्मेलन की महिला शाखा ओर से अध्यक्ष किरण भरतिया उपाध्यक्ष अंकिता शर्मा व सचिव शिल्पी गोयनका ने मेघावी छात्रा को सम्मानित किया जिसमे सम्मेलन की ओर से प्रसंशा पत्र के साथ किताबों का टोपला देकर सम्मानित करने के साथ उज्ज्वल भविष्य की शुभ कामनाएं दी नेहा दस्सानी विश्वनाथ के युवा व्यवसाई चंद्र प्रकाश दस्सानी व विनीता दस्सानी की पुत्री हैं।

ड्रग्स तस्कर चढ़ा पुलिस के हत्थे

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। जिले के बोकाजान इलाके में पुलिस की एक टीम ने अभियान चला कर भारी मात्रा में हेरोइन समेत एक ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बोकाजान और खटखाटी पुलिस द्वारा चलाए गए नियमित तलाशी के दौरान डिमापुर से आ रही एक बस (एनएल-07बी-0908) से छह प्लास्टिक की साबूंदानी में छुपा कर रखे गए 72.50 ग्राम हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान जोसप कोन्याक के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिक की दर्ज कर गिरफ्तार ड्रग्स तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

बंधन बैंक का कुल कारोबार 2.5 लाख करोड़ के पार

कुल डिपॉजिट में खुदरा हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत

कोलकाता। बंधन बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। बैंक का कुल कारोबार 20 प्रतिशत बढ़कर 2.60 लाख करोड़ रुपए पर बंद हुआ। कुल डिपॉजिट में बैंक की खुदरा हिस्सेदारी अब लगभग 70 प्रतिशत है। पिछली तिमाही में दर्ज उत्साहजनक वृद्धि इसके वितरण, व्यावसायिक दक्षता और अनुकूल परिचालन वातावरण में विस्तार के कारण हुई है। वित्त वर्ष '24 की चौथी तिमाही के दौरान बैंक ने देश भर में 50 शाखाएं खोलीं। बैंक अब भारत में 6, 300 बैंकिंग आउटलेट के जरिये 3.35 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। बंधन बैंक में कार्यरत कर्मचारियों की कुल संख्या अब लगभग 76, 000 है। वित्त वर्ष '24 की चौथी तिमाही के दौरान, बैंक की डिपॉजिट पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 25 प्रतिशत बढ़ी। कुल डिपॉजिट बुक अब 1.35 लाख करोड़ रुपए का है जबकि कुल एडवांस 1.25 लाख करोड़ रुपए है। चालू खाता और बचत खाता (कासा) अनुपात कुल डिपॉजिट बुक के मुकाबले 37त्न से ऊपर है। पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर), जो बैंक की स्थिरता का संकेतक होता है, वह 18.3त्न है और यह नियामक आवश्यकता से काफी अधिक है। बंधन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी, चंद्र शेखर घोष ने बैंक के प्रदर्शन के बारे में कहा कि वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही हमारे कारोबार में आई तेजी का प्रमाण है। हमने प्रमुख मापदंडों में स्थिरता और वृद्धि दर्ज की है। इस तिमाही में बैंक ने अपने मुख्य नेतृत्व को भी मजबूत किया। बंधन बैंक अपने कर्मचारियों की प्रतिबद्धता से निर्मित हुआ है और इसकी सफलता इसके ग्राहकों के विश्वास पर टिकी है। प्रौद्योगिकी, कर्मचारी और प्रक्रियाओं पर विशेष ध्यान के साथ-साथ ये आधारशिलाएं बंधन बैंक 2.0 के विकास पथ को आगे बढ़ाएंगी। बैंक ने अपने रिटेल बुक को बढ़ाने के स्पष्ट इरादे के साथ परिसंपत्ति विविधीकरण पर ध्यान देना जारी रखा है। बैंक उच्च उत्पादकता और दक्षता के लिए अधिक से अधिक डिजिटलीकरण पर जोर देना चाहता है। इससे ग्राहकों का अनुभव भी समग्र रूप से बेहतर होगा।

जोरहाट नगर निगम के कर्मचारी और सफाईकर्मी हड़ताल पर, किया प्रदर्शन

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट नगरपालिका के अस्थायी कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में हड़ताल शुरू कर दी है। वर्षों से शहर की सफाई कर रहे इन कर्मचारियों ने अपनी नौकरियों को नियमित करने की मांग करते हुए, कम से कम पांच सौ रुपए दैनिक मजदूरी देने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने मांगें पूरी नहीं होने तक अनिश्चितकालीन हड़ताल करने की धमकी दी है।

सीएसआई द्वारा गौहाटी विवि में उच्च रक्तचाप पर जागरूकता शिविर आयोजित

गुवाहाटी। कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई), पूर्वोत्तर चैप्टर ने विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर गुवाहाटी विश्वविद्यालय के फणीधरदत्त हॉल में एक जागरूकता और स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया। जागरूकता फैलाने और स्वस्थ समाज को बढ़ावा देने के लिए कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की वकालत करने के लिए सीएसआई नॉर्थईस्ट चैप्टर द्वारा गुवाहाटी यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (जीयूटीए) के सहयोग से उच्च रक्तचाप शिविर का आयोजन किया गया था। जागरूकता कार्यक्रम में शहर के प्रमुख हृदय रोग विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। उन्होंने नि:शुल्क परामर्श, नि:शुल्क आरबीएस, बीपी जांच और ईसीजी (यदि आवश्यक हो) प्रदान किया। हृदय रोग विशेषज्ञों ने दर्शकों को एक इंटरैक्टिव सत्र में शामिल किया, जहां उन्होंने हृदय स्वास्थ्य, हृदय संबंधी आपात स्थितियों आदि से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। हृदय रोग विशेषज्ञों के समूह ने बताया कि अनिर्धारित और अनियंत्रित उच्च रक्तचाप एक मूक हत्यारा है और स्ट्रोक, गुर्दे की बीमारी और अन्य हृदय रोगों जैसे कोरोनरी धमनी रोग, संवहनी रोग आदि के प्रमुख कारणों में से एक है। उन्होंने दोहराया कि रक्तचाप की नियमित जांच की जानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यक्तिगत जागरूकता से ही हम समाज में जागरूकता पैदा कर सकते हैं। सीएसआई भारत में कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक प्रतिष्ठित संगठन है। पिछले कुछ वर्षों में सीएसआई ने भारत में कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सोसायटी ने हृदय चिकित्सा में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कई सम्मेलन, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इन पहलों के माध्यम से, सीएसआई ने हृदय रोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने, रोगियों की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करने और हृदय संबंधी स्थितियों की समझ को आगे बढ़ाने में मदद की है। सोसायटी का मुख्य लक्ष्य हृदय रोगों (सीवीडी) और उसके बाद होने वाली मृत्यु दर की रोकथाम और उन्मूलन की दिशा में काम करना है। इसका उद्देश्य कार्डियो वैस्कुलर रोगों के कारणों और प्रभावों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करना है। सोसायटी पर्यावरण और जीवनशैली के साथ हृदय रोगों के सह-संबंध के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता के स्तर को बढ़ाने की दिशा में काम करती है। वर्तमान फोकस गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और उसके बाद कार्डियो वैस्कुलर रोगों की रोकथाम के लिए नए तरीकों पर है। सोसायटी की उपस्थिति भारत के विभिन्न राज्यों में है, जिस उद्देश्य के लिए इसका गठन किया गया था। क्षेत्रीय निकाय मूल निकाय के प्रयासों को चलाने और पूरक करने के लिए अस्तित्व में आए। चूंकि, प्रारंभिक वर्षों में असम और पूर्वोत्तर से केवल कुछ ही हृदय रोग विशेषज्ञ थे-विशेष हृदय देखभाल की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए 1980 के दशक की शुरुआत में आठ सहयोगी राज्यों को मिलाकर एक क्षेत्रीय निकाय (सीएसआई-एनई चैप्टर) का गठन किया गया था। क्षेत्र। पिछले कुछ वर्षों में, सोसायटी का आकार और कद बढ़ गया है, जिससे पूरे पूर्वोत्तर से सदस्य आकर्षित हुए हैं और कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए मान्यता प्राप्त हुई है।

मारवाड़ी समेलन महिला शाखा ने जल सेवा की

गुवाहाटी (विभास)। भगवान परशुराम की अमर गाथा के शुभ उपलक्ष्य पर भव्य ध्वज यात्रा व कलश यात्रा आयोजन किया गया। इस यात्रा में मारवाड़ी समेलन महिला शाखा की अधक्षा संतोष शर्मा के नेतृत्व में आठगांव गणेश मंदिर के सामने पानी और शरबत की व्यवस्था की गई। जिसे भव्य शोभा यात्रा में सभी महिलाओं और पुरुषों को वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में समिति की ओर से मंजु भंसाली, संगीता बड़जात्या, वंदना सोमानी, किरण मालु, रश्मि जैन, ज्योति शर्मा, कनक सेठिया और गुलाब दुग्गड़ का पूरा भरपूर सहयोग रहा। इस कार्यक्रम की सयोंजिका सरला काबरा, मंजू पाटनी, संगीता बड़जात्या और इंद्रा जिंदल रही।

पूर्व मंत्री थानेश्वर बोड़ो पंचतत्व में विलीन

रंगिया (विभास)। असम गण परिषद (अगप) के वरिष्ठ नेता एवं असम के पूर्व शिक्षा तथा राजस्व मंत्री थानेश्वर बोड़ो का शुक्रवार शाम को पूरे राजकीय सम्मान के साथ रंगिया में अंतिम संस्कार किया गया। असम के पूर्व मंत्री के पार्थिव शरीर को रंगिया के शांतिधाम श्मशान घाट पर मुखाग्नि दी गई। दिवंगत पूर्व मंत्री बोड़ो का अंतिम संस्कार गमगीन माहौल के बीच पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। उनके अंतिम संस्कार में असम विधान सभा के अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी, असम सरकार के कृषि मंत्री अतुल बोरा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री केशव महंतो, शिक्षा मंत्री रनोज पेगू, विधायक फणिभूषण चौधुरी, रंगिया के पूर्व विधायक अनंत डेका, घनश्याम कलिता, सत्यब्रत डेका और कई अन्य मंत्री सहित कामरूप जिला की आयुक्त कृति जल्ली, कामरूप जिले के पुलिस अधीक्षक रंजन भुइयां और रंगिया के महकमाधिपति देबाशीष गोश्वामी भी शामिल हुए। अगप के नेता बोड़ो के पार्थिव शरीर को श्मशान तक ले जाने से पहले रंगिया पहुंचते ही उनके जन्म स्थान गुरूमु ले जाया गया और इसके पश्चात उनके आवास स्थल गोरोका में उन्हें सार्वजनिक रूप से श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद सेप्टी और रंगिया अगप कार्यालय व रंगिया राईजमेल कृषक शहीद भवन प्रांगण में उनका अंतिम दर्शन करते हुए उनके चाहने वालों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। और इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को हिंदी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान लाया गया जहां राजकीय सम्मान के साथ उन्हें अंतिम बिदाई दी गई। और दिवंगत नेता के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित किया। मालुम हो कि पूर्व मंत्री स्व. थानेश्वर बोड़ो पिछले कई दिनों से हृदय रोग, रक्त शर्करा, बृक्क जनित रोग आदि गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। उनका निधन शुक्रवार को जीएमसीएच में ईलाज के दौरान हो गया था। मृत्यु के समय उनकी उम्र 85 वर्ष थी। मालुम हो कि स्व .बोड़ो तीन बार रंगिया के विधायक रहे है। अगप के नेता थानेश्वर बोड़ो की मृत्यु पर आज रंगिया नगर के सभी व्यवसाय प्रतिष्ठान बंद रखे गए। वहीं उनकी मृत्यु पर भारी संख्या में लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

आतंक का पर्याय बना तेंदुआ पिंजरे में कैद

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के नाजिरा के गेलकी इलाके से वन विभाग की टीम ने आतंक का पर्याय बने एक तेंदुआ को पकड़ा लिया है। वन विभाग ने शुक्रवार को बताया कि गेलेकी इलाके में दो महीने पूर्व एक महिला श्रमिक पर हमला किए जाने और कई पालतू जानवरों को तेंदुआ द्वारा शिकार बनाए जाने के बाद गेलेकी के मूडी चाय बागान में तेंदुआ को पकड़ने के लिए एक पिंजरा लगाया गया था। जिसमें तेंदुआ कैद हो गया। तेंदुआ को पकड़े जाने के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। वन विभाग तेंदुआ को अपने साथ वन विभाग कार्यालय में ले गया, जिसे पुन: स्वास्थ्य परीक्षण के बाद घने जंगल में छोड़ा जाएगा।

मायुमं, शिवसागर प्रगति शाखा ने की जल सेवा में अनोखी पहल

शिवसागर (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच की शिवसागर प्रगति शाखा ने जल सेवा प्याऊ का आरंभ किया। यह पहल *जल ही जीवन है* के विचार को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम की शुरुआत शाखा की अध्यक्षा पायल अग्रवाल के संबोधन से हुई। जिसमें उन्होंने उपस्थित अतिथियों का स्वागत और धन्यवाद किया। मुख्य अतिथि प्रदीप खेमका अध्यक्ष खेमका मातृ सदन एवम विशिष्ठ अतिथियों में रूपचंद करनानी, मारवाड़ी सम्मेलन के सचिव, श्रीमती कृष्णा खेमका नारायण रेकी से और उमेश बलदेवा मीडिया पार्टनर शामिल थे। शाखा की निवर्तमान अध्यक्ष कबिता ने सबका तिलक किया और कृष्णा ने प्याऊ पर स्वस्तिक बनाया। श्रीमती कृष्णा खेमका ने अपने संबोधन में इस नेक कार्य को करने की लंबे समय से इच्छा जताई और प्रगति शाखा के इस पहल की सराहना की। रूपचंद करनानी और प्रदीप खेमका ने भी शाखा की प्रशंसा करते हुए इस महान कार्य में समर्थन देने का आश्वासन दिया। साथ ही कृष्णा, रुपेश, आर्यन एवम निधि ने एक एक हफ्ते की प्याऊ प्रायोजित की। आज से शुरू हुई यह प्याऊ सेवा पूरे शिवसागर में तीन महीने तक घूमेगी। जिससे कड़ी धूप में चलने वाले या काम करने वाले लोग और

पानी खरीदने में असमर्थ लोग आसानी से पानी प्राप्त कर सकेंगे। इस प्रकार, मारवाड़ी युवा मंच शिवसागर प्रगति शाखा ने समाज सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है, जिससे समाज के वंचित वर्ग को लाभ होगा। इस कार्यक्रम की संयोजिका बिनीता बुकरेडिया हैं। और इस प्याऊ को आगे बढ़ाने में रंजना शर्मा, रीमा अग्रवाल एवम प्रीतिका जालान का विशेष योगदान रहा और बाबुल दादा हमारे रिक्शा चालक की मदद से यह संभव हो पाया है। साथ ही हमने 30 पानी के गेलन का उद्घाटन अतिथिगनों ने किया। और इसे जरूरतमंद की हफ्ते भर की सेवा के लक्ष्य से चार अलग अलग स्थान पर रखने का संकल्प किया है। बिनीता बुकरेडिया ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। शाखा की सदस्य बिनीता बुकरेडिया, बंदना अग्रवाल, कविता सिक्तिया, रिचा शर्मा, स्वीटी गोयल, निधि अग्रवाल, नीतू बाहेती, पायल बुधिया, कंचन अग्रवाल, रीमा अग्रवाल, अंशु शर्मा, रंजना शर्मा, पायल अग्रवाल तथा स्वप्ना धानुका गोयल इस कार्यक्रम में मौजूद थी।

संपादकीय

370 के बाद कश्मीरी जनादेश

जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर सीट पर आम चुनाव के चौथे चरण में करीब 38 फीसदी मतदान हुआ। यह 1996 के बाद सर्वाधिक मतदान है। तब 40.9 फीसदी वोट डाले गए थे। राष्ट्रीय संदर्भ में यह बहुत कम मतदान लग सकता है, लेकिन कश्मीर के नाजुक हालात के मद्देनजर यह ऐतिहासिक और उत्साही मतदान है। 1998 के 30 फीसदी मतदान का भी रिकॉर्ड टूट गया है। पिछले आम चुनाव 2019 में, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से पहले, श्रीनगर सीट पर मात्र 14 फीसदी मतदान हुआ था। संसद के जरिए 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 निरस्त किया गया। उसके बाद का यह पहला लोकसभा चुनाव है। चुनावी लोकतंत्र और कश्मीरी जनादेश को मतदाताओं की ऐसी भागीदारी से ताकत मिलेगी। हालांकि अमन-चैन और संपूर्ण सामान्य हालात बनना फिलहाल एक लंबी प्रक्रिया है, लेकिन कश्मीर बदला है और बदल रहा है। कश्मीरी घाटी में मतदान के ऐसे रुझानों को पढ़ना और समझना बेहद मुश्किल और पेचीदा है। मतदान पर दमन और दबाव के आरोप लगते रहे हैं। मतदान से पहले सुरक्षा-व्यवस्था सबसे अहम सरोकार था, क्योंकि 4 मई को भारतीय वायुसेना के काफिले पर आतंकी हमला किया गया था। पुंछ इलाके के उस हमले में हमारा एक जांबाज सैनिक 'शहीद' हुआ और 4 सैनिक घायल हुए थे। कश्मीर में ऐसा टुकड़े-टुकड़े आतंकवाद आज भी मौजूद है। कश्मीर का राजधानी-शहर श्रीनगर आज चहल-पहल में डूबा है। लोग पार्क में बैठे पार्टी कर रहे हैं और पत्रकारों को भी चाय-नाश्ते की पेशकश कर रहे हैं। श्रीनगर में चुनाव के वक्त इसकी कल्पना भी नहीं की जाती थी। लोग प्रधानमंत्री मोदी और उनके बदलावों की भी चर्चा कर रहे थे। घाटी में तो भाजपा का अस्तित्व ही नहीं रहा है। भाजपा ने अपना उम्मीदवार भी श्रीनगर से खड़ा नहीं किया था। वह किसी 'अपनी पार्टी' और 'पीपुल्स कॉन्फ्रेंस' को चुनावी समर्थन दे रही थी, यह भी गप्पबाजी के अलावा कुछ नहीं है। श्रीनगर सीट पर फारूक अब्दुल्ला की 'नेशनल कॉन्फ्रेंस' और महबूबा मुफ्ती की 'पीडीपी' ने एक-दूसरे के खिलाफ प्रत्याशी उतारे थे, हालांकि दोनों ही 'इंडिया' गठबंधन के घटक हैं। वे इतने मतदान को अनुच्छेद 370 निरस्त करने के खिलाफ कश्मीरियों का गुस्सा करार देते हैं। अभी जम्मू-कश्मीर की शेष सीटों पर मतदान होना है, लेकिन भाजपा का मानना है कि अनुच्छेद 370 कोई मुद्दा ही नहीं रहा। भाजपा के लिए यह ऐतिहासिक इसलिए है, क्योंकि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' के लिए लंबा संघर्ष किया था। उनकी शहादत आज भी एक रहस्य है। अनुच्छेद 370 'जनसंघ' के दौर से एक वैचारिक और सैद्धांतिक एजेंडा रहा है। मोदी सरकार ने अगस्त, 2019 में संसद के जरिए इसे निरस्त किया और उसके बाद आम कश्मीरी आंदोलित भी नहीं हुआ। कश्मीर में 'तिरंगा' फहराया जा रहा है। भारत का संविधान और तमाम कानून कश्मीर में भी प्रभावी हो गए हैं। आरक्षण की व्यवस्था भी लागू कर दी गई है। गैर-कश्मीरी भी जमीन खरीद कर अपना कारोबार कर रहे हैं। कश्मीरी महिलाओं के पारिवारिक और वैवाहिक हक शेष भारत की तरह लागू कर दिए गए हैं। कश्मीर बदल गया है, इसका पुख्ता सबूत यह है कि आम चुनाव के जरिए जनादेश भी शांति और सद्भाव से दर्ज करा दिया गया है। यकीनन यह बदले और नए कश्मीर का पहला जनादेश है। टीवी चैनलों पर असंख्य कश्मीरियों को यह कहते सुना और देखा गया-बेशक बहुत कुछ बदल गया है। अब हम रात-दिन सक्रिय और सुरक्षित हैं।'' आम चुनाव के ऐसे मतदान ने उम्मीदें भी जगा दी हैं कि जम्मू-कश्मीर का राज्यत्व भी बहाल होगा और विधानसभा चुनाव भी ऐसे ही सुकून के साथ होंगे। बीते दिसंबर माह में सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश दिए थे कि जम्मू-कश्मीर में 30 सितंबर, 2024 तक विधानसभा चुनाव कराए जाएं। अदालत ने यथाशीघ्र राज्यत्व भी बहाल करने के निर्देश दिए थे। चूंकि जम्मू-कश्मीर में परिसीमन का काम पूरा हो चुका है और मतसूचियां भी अपडेट की जा चुकी हैं, लिहाजा अब चुनावों के लिए किसी भी बहाने की गुंजाइश नहीं है। राज्य में पूर्ण सामान्यीकरण के लिए भी विधानसभा चुनाव कराने बेहद महत्वपूर्ण हैं।

1998 के 30 फीसदी मतदान का भी रिकॉर्ड टूट गया है। पिछले आम चुनाव 2019 में, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से पहले, श्रीनगर सीट पर मात्र 14 फीसदी मतदान हुआ था। संसद के जरिए 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 निरस्त किया गया। उसके बाद का यह पहला लोकसभा चुनाव है। चुनावी लोकतंत्र और कश्मीरी जनादेश को मतदाताओं की ऐसी भागीदारी से ताकत मिलेगी। हालांकि अमन-चैन और संपूर्ण सामान्य हालात बनना फिलहाल एक लंबी प्रक्रिया है, लेकिन कश्मीर बदला है और बदल रहा है। कश्मीरी घाटी में मतदान के ऐसे रुझानों को पढ़ना और समझना बेहद मुश्किल और पेचीदा है। मतदान पर दमन और दबाव के आरोप लगते रहे हैं। मतदान से पहले सुरक्षा-व्यवस्था सबसे अहम सरोकार था, क्योंकि 4 मई को भारतीय वायुसेना के काफिले पर आतंकी हमला किया गया था। पुंछ इलाके के उस हमले में हमारा एक जांबाज सैनिक 'शहीद' हुआ और 4 सैनिक घायल हुए थे। कश्मीर में ऐसा टुकड़े-टुकड़े आतंकवाद आज भी मौजूद है।

वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू करने के तुरंत उपरांत व्यापारियों को व्यवस्था सम्बन्धी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था

वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में वृद्धि से गरीब वर्ग तक सहायता पहुंचाना हुआ आसान

प्रहलाद सबनानी

केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर को भारत में लागू करने के प्रयास कर रही थी तब कई विपक्षी दलों ने इस नए कर को देश में लागू करने के प्रति बहुत आशंकाएं व्यक्त की थीं। उस समय कुछ आलोचकों का तो यहां तक कहना था कि वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली देश में निश्चित ही असफल होने जा रही है एवं इससे देश के गरीब वर्ग पर कर के रूप में बहुत अधिक बोझ पड़ने जा रहा है। परंतु, केंद्र सरकार ने देश में पूर्व में लागू जटिल अप्रयत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल बनाने के उद्देश्य से वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को 1 जुलाई 2017 से पूरे देश में लागू कर दिया तथा इस कर में लगभग 20 प्रकार के करों को सम्मिलित किया गया था।

आपको ध्यान होगा कि जब केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर को भारत में लागू करने के प्रयास कर रही थी तब कई विपक्षी दलों ने इस नए कर को देश में लागू करने के प्रति बहुत आशंकाएं व्यक्त की थीं। उस समय कुछ आलोचकों का तो यहां तक कहना था कि वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली देश में निश्चित ही असफल होने जा रही है एवं इससे देश के गरीब वर्ग पर कर के रूप में बहुत अधिक बोझ पड़ने जा रहा है। परंतु, केंद्र सरकार ने देश में पूर्व में लागू जटिल अप्रयत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल बनाने के उद्देश्य से वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को 1 जुलाई 2017 से पूरे देश में लागू कर दिया तथा इस कर में लगभग 20 प्रकार के करों को सम्मिलित किया गया था। वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू करने के तुरंत उपरांत व्यापारियों को व्यवस्था सम्बन्धी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था। परंतु, इन परेशानियों को केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के सहयोग से धीरे-धीरे दूर कर लिया गया है। आज वस्तु एवं सेवा कर के अन्तर्गत देश में कर व्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है जिससे देश में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण कुलांचे मारता हुआ दिखाई दे रहा है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए धन की आवश्यकता होती है और यह धन देश की जनता से ही करों के रूप में उगाहे जाने के प्रयास होते हैं। उस कर व्यवस्था को उत्तम कहा जा सकता है जिसके अंतर्गत नागरिकों को कर का आभास बहुत कम हो। जिस प्रकार मधुमक्खी फूल से शहद कुछ इस प्रकार से निकालती है कि फूल को मालूम ही नहीं पड़ता है, ठीक इसी प्रकार की कर व्यवस्था केंद्र सरकार द्वारा, वस्तु एवं कर सेवा के माध्यम से, देश में लागू करने के प्रयास किये गए हैं। गरीब वर्ग द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दर को या तो शून्य रखा गया है अथवा कर की दर बहुत कम रखी गई है। इसके विपरीत, धनाढ्य वर्ग द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दर बहुत अधिक रखी गई है। वस्तु एवं सेवा कर की दर को शून्य प्रतिशत से लेकर 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत अधिकतम तक रखा गया है। भारत में वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू किया हुए 6.5 वर्षों से अधिक का समय हो चुका है एवं आज देश में अप्रत्यक्ष कर संग्रहण में लगातार हो रही तेज वृद्धि के रूप में इसके सुखद परिणाम स्पष्टतः दिखाई देने लगे हैं। दिनांक 1 मई 2024 को अप्रेल 2024 माह में वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण

से सम्बंधित जानकारी जारी की गई है। हम सभी के लिए यह हर्ष का विषय है कि माह अप्रेल 2024 के दौरान वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण पिछले सारे रिकार्ड तोड़ते हुए 2.10 लाख करोड़ रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो निश्चित ही, भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022 में वस्तु एवं सेवा कर का औसत कुल मासिक संग्रहण 1.20 लाख करोड़ रुपए रहा था, जो वित्तीय वर्ष 2023 में बढ़कर 1.50 लाख करोड़ रुपए हो गया एवं वित्तीय वर्ष 2024 में 1.70 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गया। अब तो अप्रेल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए के स्तर से भी आगे निकल गया है। इससे यह आभास हो रहा है कि देश के नागरिकों में आर्थिक नियमों के अनुपालन के प्रति रुचि बढ़ी है, देश में अर्थव्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है एवं भारत में आर्थिक विकास की दर तेज गति से आगे बढ़ रही है। कुल मिलाकर अब यह कहा जा सकता है कि भारत आगे आने वाले 2/3 वर्षों में 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। भारत में वर्ष 2014 के पूर्व एक ऐसा समय था जब केंद्रीय नेतृत्व में नीतिगत फैसले लेने में भारी हिचकिचाहट रहती थी और भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की हिचकोले खाने वाली 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। परंतु, केवल 10 वर्ष पश्चात केंद्र में मजबूत नेतृत्व एवं मजबूत लोकतंत्र के चलते आज वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। वस्तु एवं सेवा कर के माध्यम से देश में कर संग्रहण में आई वृद्धि के चलते ही आज केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग को विभिन्न विशेष योजनाओं का लाभ पहुंचाये जाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम गरीब कल्याण योजना के माध्यम से मुफ्त अनाज के मासिक वितरण से 80 करोड़ से अधिक परिवारों को लाभ प्राप्त हो रहा है। पीएम उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान किये गए हैं। इन महिलाओं के जीवन में इससे क्रांतिकारी परिवर्तन आया है क्योंकि ये महिलाएं इसके पूर्व लकड़ी जलाकर अपने घरों में भोजन सामग्री का निर्माण कर पाती थीं और अपनी आंखों को खराब होते हुए देखती थीं। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत भी 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कर महिलाओं की सुरक्षा एवं गरिमा को कायम रखा जा सका है। जन धन खाता योजना के अंतर्गत 52 करोड़ से अधिक खाते खोलकर नागरिकों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में लाया गया है। इससे गरीब वर्ग के नागरिकों के लिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। पूरे भारत में 11,000 से अधिक जनऔषधि केंद्र स्थापित किए गए हैं, जो 50-90 प्रतिशत रियायती दरों पर आवश्यक दवाएं प्रदान कर रहे हैं। साथ ही, जल जीवन मिशन ने पूरे भारत में 75 प्रतिशत से अधिक घरों में नल के पानी का कनेक्शन प्रदान करके एक बड़ा मील का पत्थर हासिल कर लिया गया है। लगभग 4 वर्षों के भीतर मिशन ने 2019 में ग्रामीण नल कनेक्शन कवरेज को 3.23 करोड़ घरों से बढ़ाकर 14.50 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंचा दिया गया है। इसी प्रकार, पीएम आवास योजना के अंतर्गत, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 4 करोड़ से अधिक पक्के मकान बनाए गए हैं एवं सौभाग्य योजना के अंतर्गत देश भर में 2.8 करोड़ घरों का विद्युतीकरण कर लिया गया है। विश्व भर के सबसे बड़े सरकारी वित्तपोषित स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना - के अंतर्गत 55 करोड़ लाभार्थियों को माध्यमिक एवं तृतीयक देखभाल एवं अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपए का बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है। वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में आई तेजी के चलते केवल गरीब वर्ग के लिए विशेष योजनाएं ही नहीं चलाई गईं है बल्कि विशेष रूप से केंद्र सरकार के लिए अपने पूंजीगत खर्च में भी बढ़ोतरी करने में आसानी हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च का केंद्रीय बजट में प्रस्ताव किया गया है जो वित्तीय वर्ष 2023-24 के 10 लाख करोड़ रुपए का था एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.5 लाख करोड़ रुपए का था।

दृष्टि कोण

जैव विविधता का मूल्य समझना समय की मांग, धरती पर टिकाऊ भविष्य की दिशा में यही एक रास्ता

जैव विविधता के गॉडफादर के रूप में लोकप्रिय अमेरिकी पारिस्थितिकी विज्ञानी थॉमस ई. लवजॉय की एक मार्मिक टिप्पणी है, 'जैविक विकास की अंतिम विडंबना यह हो सकती है कि मनुष्य के मस्तिष्क के माध्यम से आत्म-समझ प्राप्त करने के तुरंत बाद जीवन ने अपनी सबसे सुंदर रचनाओं को नष्ट कर दिया होगा।' जीवन की विविधता के मूल में एक मूलभूत सत्य निहित है : जगत में सबकुछ अंतर्संबंधों से बंधा है। जैव विविधता जीवन के स्थायित्व और चिरंजीविता के केंद्र में है, किंतु जैव विविधता के योग से भी परे अस्तित्व से आलोक से सराबोर जीवन स्वयं में नैसर्गिक विकास (इवोल्यूशन) की एक मनोरम गाथा का प्रतीक है। जैव विविधता ही जीवन की नैया की खेवनहार है। जितनी अधिक जैव विविधता, उतना ही अधिक जीवन का उत्कर्ष, उतना ही प्रबल जीवनगामी पृथ्वी का ब्रह्मांड में साम्राज्य! जैव विविधता जीवन की शाश्वतता की अनंत कथा है। जैव विविधता प्रकाश की जीवंत कहानी है, जिसे सूर्य का प्रकाश प्रकाश-संश्लेषण के माध्यम से जीवन ऊर्जा के अनंत रूपों में खिलकर आकाशगंगाओं को सुनाता है। प्रकाश की सृजनात्मक क्षमता असीमित है। पेड़-पौधों के पर्णहरित से अठखेलियां कर प्राकृतिक विकास के नवाचारों के झरोखे खोलता प्रकाश अनंत जीवों और पारिस्थितिक तंत्रों को निरंतर पोषित करता है। जीवन कथा को अमर बनाए रखने के लिए समय की धारा के साथ नई प्रजातियां और उनके आनुवंशिक रूप जीवन को समृद्धि और आनंद का उपहार देते रहते हैं। एक बहती नदी के समान ऊर्जा जीवन के विभिन्न माध्यमों से स्वयं को अभिव्यक्त करती है। पदार्थ निष्क्रिय होता है, ऊर्जा क्रियाशील। पदार्थ की क्रियाशीलता ऊर्जा के कारण ही होती है। संपूर्ण ब्रह्मांड की गतिशीलता का स्रोत ऊर्जा ही है। मुक्तावस्था में ऊर्जा विध्वंसक रूप ले सकती

है, जिसे एन्ट्रॉपी कहते हैं। असंख्य जीव-वाहिकाओं में प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से प्रवेश कर सौर ऊर्जा एक रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदर्शित करती है। सभी जीवधारियों का व्यवहार और उनके कार्य-कलाप उसी ऊर्जा की रचनात्मक अभिव्यक्तियां हैं। मुक्तावस्था में यही ऊर्जा अराजक हो सकती थी। ऊर्जा जीवन की जितनी विविधता में क्रियाशील होगी, उतनी ही सृजनशीलता और संतुलन की अवस्था में होगी। इसी प्रकार, पृथ्वी की भी ब्रह्मांड के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका है। ब्रह्मांड की एन्ट्रॉपी को नियंत्रित कर एक ब्रह्मांडीय संतुलन स्थापित करना ही जैव विविधता-भरी पृथ्वी का अनुष्ठान है। पृथ्वी पर जीवन केवल पृथ्वी का ही नहीं, ब्रह्मांड का एक उपादान है। पृथ्वी का उदय ब्रह्मांड के विकास की अनवरत यात्रा का एक लक्ष्य रहा होगा। ब्रह्मांड में 'बिग बैंग' की घटना से कालांतर में पृथ्वी-रूपी अमृत निकला, जैव विविधता जिसकी बूंदें हैं! ऐसे परिदृश्य पर विचार करें, जहां जीवन केवल एक ही प्रजाति के रूप में हो। ऐसा जीवन निरा अनिश्चित-सा होगा और ऐसी दशा में पृथ्वी कभी भी दुर्भिक्ष या किसी महामारी के कारण जीवन-विहीन हो सकती है। जीवों की घनी विविधता ने ऐसी संभावनाओं को क्षीण कर दिया। जीवन की स्थिरता, गतिशीलता और निरंतरता उसकी विविधता पर निर्भर है। जैव विविधता जीवन को जलवायु संबंधी अनियमितताओं के प्रति लचीला बनाती है और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम जीव समुदायों को पोषित करती है। विविधता स्वयं जीव समुदाय के लिए अस्तित्व का कारक है। जैव विविधता का समृद्ध भंडार जैव-रासायनिक चक्रों की निरंतरता सुनिश्चित करता है। इसके अतिरिक्त, जैव विविधता पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखती है और जैवमंडल के जीवन-निर्वाह को संरक्षित करती है। जैव विविधता हमारे जिंदा ग्रह को जीवन-शक्ति प्रदान करती है। इस अद्भुत विविधता के जागरूक प्रबंधक के रूप में आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन के बहुरूप दर्शन को संरक्षित करना हमारा परम दायित्व है। पारिस्थितिक दार्शनिक हेनरिक स्कोलिमोस्की ने अस्तित्व संरक्षण के लिए जैव विविधता के आंतरिक मोल पर जोर देते हुए मानवता और प्रकृति के बीच गहन अंतर्संबंध को गहराई से स्पष्ट किया है। जीवों के पारस्परिक तालमेल और मानव सहित संपूर्ण जीवन के अस्तित्व के लिए जैव विविधता जीवन के मूल सार का प्रतीक है।

कुछ अलग

सियासी दलों की खामोशी बहुत कुछ कह रही है..!

राजनीतिक दलों ने समाज को तो बांट ही दिया है, महिलाओं से दुर्व्यवहार और दुष्कर्म जैसी घटनाओं को भी वोट के तराजू में तौलने से वे बाज नहीं आते। ताजा उदाहरण स्वाति मालीवाल का है। वे दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य हैं। आप की फाउंडर सदस्य हैं। जब अरविंद एनजीओ चलाया करते थे तब से वे उनके साथ हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास में उनकी पिटाई और दुर्व्यवहार का मामला अब पुलिस तक पहुंच गया है। पिटाई का आरोप मुख्यमंत्री के निजी सहायक विभव कुमार पर है। केजरीवाल दुनिया जहान की बारे में बोल रहे हैं, लेकिन पिटाई मामले पर मौन ओढ़ रखी है। आरोप है कि केजरीवाल के कहने पर पिटाई हुई। इधर पूरा इंडी गठबंधन इस पर चुप है। केजरीवाल के साथ है। यह अकेला मामला नहीं है। इसके पहले पश्चिम बंगाल के संदेशखाली दुष्कर्म कांड पर भी इंडी गठबंधन इसी तरह चुप था। वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी केजरीवाल की ही तरह खामोश थीं। महिला नेत्री सोनिया गांधी और 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' का नारा बुलंद करने वाली प्रियंका गांधी ने भी कुछ बोलना मुनासिब नहीं समझा। लेकिन ठीक इसके उलट महिला पहलवान यौन उत्पीडन कांड पर वे खूब मुखर रहीं। पूरा विपक्ष पहलवानों के साथ खड़ा नजर आया जबकि भाजपा इस मामले पर चुप रही। दूसरी ओर भाजपा संदेशखाली और स्वाति मामले पर खूब मुखर है। सच तो यह है कि राजनीतिक दलों ने महिलाओं को तमाशा बना दिया है। न उनमें महिलाओं के प्रति सम्मान है न दुष्कर्म के खिलाफ गुस्सा। राजनेता ऐसे मामलों में सेलेक्टिव हो जाते हैं। भाजपा शासित राज्यों में दुष्कर्म होता है तो विपक्ष में जोश आ जाता है। वे सबसे बड़े महिला हितैषी हो जाते हैं। लेकिन जब विपक्ष शासित राज्यों में दुष्कर्म होता है तो तो उन्हें सांप सूंघ जाता है। दरअसल, वे घटना को ही झुठलाने में लग जाते हैं। ठीक ऐसा ही सत्ता पक्ष भी करता है। उनके राज्यों में दुष्कर्म होता है तो वे लीपापोती में जुट जाते हैं। महिला नेत्रियां चुप हो जाती हैं। लेकिन विपक्ष शासित राज्यों में उनकी सक्रियता देखने लायक होती है। यानी अपना दुष्कर्मी राजा बेटा और दूसरे का दुष्कर्मी हैवान! यह कैसी सोच है, कैसी मानसिकता है? मजे की बात यह है कि इसमें महिलाएं भी इस्तेमाल होती हैं। महिला के खिलाफ महिला को ही खड़ा कर दिया जाता है। महिला राजनेताओं को दुष्कर्मी के पक्ष में खड़ा होने में रत्ती भर भी शर्म महसूस नहीं होती। इसके साथ ही एक और पहलू भी जुड़ा है। जो महिला नेत्रियां पार्टी के इशारे पर निसंकोच दुष्कर्म को झुठलाने की कोशिश करती हैं उनका अपनी पार्टियों में भी बड़े नेताओं द्वारा यौन शोषण होता है। यह बहुत आम बात है। ऐसे ढेरों प्रसंग सार्वजनिक भी हुए हैं। और यह आज से नहीं आजादी के पहले से होता चला आ रहा है। सभी नेत्रियों के साथ ऐसा होता है, यह नहीं कहा जा सकता, लेकिन शिकार होनेवाली नेत्रियों की अच्छी खासी संख्या है। कोई पार्टी इसका अपवाद नहीं है। कई महिलाओं ने तो इसकी वजह से राजनीति छोड़ना श्रेयकर समझा। महिलाओं को दलीय दायरे से ऊपर उठकर यह समझना होगा कि पुरुषवादी मानसिकता उनका इस्तेमाल कर रही है। ऐसे मामलों में सभी राजनेत्रियों और महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर हल्ला बोलना होगा, तभी आपकी प्रतिष्ठा बचेगी। स्वाति मालीवाल केस ने एक मौका दिया है, महिला नेत्रियों को अपनी अस्मिता के लिए उठ खड़े होने का। क्या वे यह चुनौती स्वीकार करेंगी? क्या उनका स्वाभिमान उन्हें ललकारेगा।

देश दुनीया से

ग्रेग टोलैंड- सिटीजन केन को अमर करने वाला

कालजयी फिल्म 'सिटीजन केन' के अध्ययन के बिना सिनेमा का प्रशिक्षण नहीं हो सकता है। ऑर्सन वेल्स के पास कहानी थी, विचार था, अभिनेता और अभिनय था... इन सबको परदे पर मूर्तिमान किया ग्रेग टोलैंड ने। अपनी सिनेमाटोग्राफी से इस फिल्म को अमर कर दिया। ऑर्सन वेल्स के यहां जो डीप फोकस, प्रकाश-छाया, शैडो का जादू, क्लोजअप्स हम देखते हैं वह इसी फोटोग्राफी का कमाल है। डीप फोकस ग्रैग टोलैंड की विशेषता थी। 29 मई 1904 को अमेरिका में जन्मे ग्रेग टोलैंड का जन्म का नाम ग्रेग वेस्ली टोलैंड था। वे जेनी तथा फ्रैंक की इकलौती संतान थे। पति से तलाक के बाद जेनी बेटे को लेकर कैलीफोर्निया चली गई। मां-बेटे ने कई फिल्म वालों के यहां काम किया। मां लोगों के यहां गृह सेविका थी। फिल्मों के सवाक होने पर कैमरे में शोर कम करने केलिए साउंडप्रूफ बूथ चाहिए थे।

अमेरिकन सिनेमाटोग्राफर ग्रेग टोलैंड ने अपने समय के दिग्गज सिने-निर्देशकों के साथ काम किया और सिने-इतिहास में अपने लिए स्थान सुरक्षित किया। उनके खाते में 68 फिल्मों की सिनेमाटोग्राफी दर्ज है जिनमें कई फिल्म आज भी देखी-सराही जाती हैं। कालजयी फिल्म 'सिटीजन केन' के अध्ययन के बिना सिनेमा का प्रशिक्षण नहीं हो सकता है। ऑर्सन वेल्स के पास कहानी थी, विचार था, अभिनेता और अभिनय था... इन सबको परदे पर मूर्तिमान किया ग्रेग टोलैंड ने। अपनी सिनेमाटोग्राफी से इस फिल्म को अमर कर दिया। ऑर्सन वेल्स के यहां जो डीप फोकस, प्रकाश-छाया, शैडो का जादू, क्लोजअप्स हम देखते हैं वह इसी फोटोग्राफी का कमाल है। डीप फोकस ग्रैग टोलैंड की विशेषता थी। 29 मई 1904 को अमेरिका में जन्मे ग्रेग टोलैंड का जन्म का नाम ग्रेग वेस्ली टोलैंड था। वे जेनी तथा फ्रैंक की इकलौती संतान थे। पति से तलाक के बाद जेनी बेटे को लेकर कैलीफोर्निया चली गई। मां-बेटे ने कई फिल्म वालों के यहां काम किया। मां लोगों के यहां गृह सेविका थी। फिल्मों के सवाक होने पर कैमरे में शोर कम करने केलिए साउंडप्रूफ बूथ चाहिए थे। ग्रेग ने शोर कम करने का उपकरण विकसित किया। डीप फोकस और फिल्म बनाने में जनत्रंत लाने वाले, ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्ति टोलैंड की 26 सितम्बर 1948 को कैलीफोर्निया में शराब की कु-लत से असमय मृत्यु हुई। असल में वे कैमरा पकड़ कर सर्वाधिक प्रसन्न होते थे और जब कैमरा न पकड़े होते तो उदास-निराश हो जाते और शराब का सहारा लेते थे। डीप फोकस कैमरे की वह कला है जो किसी दृश्य में सारी चीजों को स्पष्ट दिखाता है। डीप फोकस में दृश्य का बैकग्राउंड, मिडिलग्राउंड, फॉरग्राउंड यानी सब कुछ साफ-साफ नजर आता है। ऑर्सन वेल्स खुले दिल से टोलैंड से फोटोग्राफी कला सीखने की बात स्वीकारते हैं। वेल्स के अनुसार उन्होंने जिनके साथ काम किया वे ग्रेग टोलैंड न केवल महान कैमरामैन थे वरन सबसे तेज भी थे। 1931 में पहली बार उन्हें 'पामी डेज' फिल्म के लिए क्रेडिट मिला और आठ साल बाद 1939 में उन्हें पहला ऑस्कर मिल गया। ऐसा कमाल का उनका कैमरावर्क था। विलियम वायलार ने एमिली ब्रॉन्टी की क्लासिक रचना 'बदरिंग हाइट्स' पर इसी नाम से पौने दो घंटे की फ़ल्मि बनाई थी। इस अमर प्रेम कहानी फिल्म की नायिका कैथी (मर्ले ओबेरॉन) की खूबसूरती को दर्शकों तक पहुंचाने में ग्रेग की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इस फ़ल्मि को वे खुद एक सॉफ्ट, डिफ़्यूज्ड पिक्चर, एक फंतासी कहते हैं। मोमबत्ती रोशनी का प्रभाव, रोमांटिक प्रकृति, क्लोजअप्स, बर्फ़, कोहरा सब मिल कर दर्शकों को किसी अन्य लोक में ले जाता है। लेकिन इस फिल्म में विकट, निष्ठुर दृश्य भी हैं, जिनके लिए फोटोग्राफर ने लो एंगल्स, डॉर्क शेडोज और कभीकदा डीप फोकस का प्रयोग किया है। इन्हीं सब कारणों से क्रेडिट के रूप में परदे पर अलग से नाम लिखे जाने वाले कदाचित वे पहले कैमरामैन हैं। कोई आश्चर्य नहीं वे अपने समय के सर्वाधिक मेहनताना पाने वाले कैमरामैन थे। याद करें उनके द्वारा फिल्माई गई 1940 की फिल्म 'ग्रेप्स ऑफ रॉथ'। दो घंटे से कुछ मिनट ऊपर की इस फ़ल्मि का आधार नोबेल (1939) पुरस्कृत साहित्यकार जॉन स्टीनबेक का इसी नाम का उपन्यास है। मगर इस फिल्म में स्क्रीनप्ले राइटर के

रूप में वेक और नाम ननैली जॉनसन भी जुड़ा है। इस फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध सिने-निर्देशक जॉन फ़ोर्ड ने किया है। फ़ल्मि 'ग्रेप्स ऑफ़ रॉथ के अभिनेता हैं, हेनरी फ़ोंडा, जेन डैरवेल तथा जॉन कैरराडाइन। फिल्म 'ग्रेप्स ऑफ रॉथ' ने दो ऑस्कर जीते। फिल्म की एक विशेषता है, इसमें प्रत्येक शॉट का सावधानीपूर्वक फिल्मांकन होना, कोई शॉट रुटीन ढ़ंग से नहीं लिया गया है। कहानी अमेरिका की महामंदी के दौर में बेघर हुए लोगों से संबंधित है, खासतौर पर ओक्लाहामा के एक परिवार की गरीबी, हताशा भरी जिंदगी से जुड़ी हुई है। ये लोग अपने खेतों-जमीन से उखड़ कर कैलीफ़ोर्निया की ओर प्रवास करने जा रहे हैं। ग्रेग टोलैंड ने यहां पर अत्यंत कम रोशनी में काम किया है। कारण है कई दृश्य रात के समय के हैं, जिसके लिए कम प्रकाश में काम होना था। साथ ही ढ़ेर सारे शॉट्स उजाड़ में फिल्माए गए हैं। इसका इतिहास में दर्ज वह दृश्य स्मरण कीजिए, जहां टॉम और प्रचारक आमने-सामने हैं, टॉम का मात्र सिल्हुट नजर आता है। टॉम तथा प्रचारक (प्रीचर) को डीप फोकस के साथ प्रयोग करने वाले ग्रेग टोलैंड ने एकमात्र मोमबत्ती की रोशनी में इसे फिल्माया है। इस फिल्म में टोलैंड की फोटोग्राफी लेखन की शैली से पूरी तरह तालमेल बैठाते हुए न्याय करती है।

आप का नजरीया

चुनावी बैनरों का कचरा

चुनावी प्रचार के बीचोंबीच कचरे की मौजूदगी और प्रचार में इस्तेमाल सामग्री का वृतांत अदालत तक पहुंच गया। माननीय हाई कोर्ट ने शिमला नगर निगम से त्वरित कार्रवाई करते हुए बिना अनुमति लगाए गए फ्लैक्स बैनर, पोस्टर व विज्ञापन हटाने के निर्देश दिए हैं। ऐसे निर्देश कायदे-कानूनों की पोथियों में कब से मौजूद हैं, लेकिन उच्च अदालत को यह कहना पड़ रहा कि कुछ तो कार्रवाई करो। कुछ इसी तरह के निर्देश बीबीएन विकास प्राधिकरण के तहत डंपिंग साइट्स से बरसात से पहले कचरा हटाने के भी हुए हैं। सिरसा नदी और उसके सौ मीटर के दायरे से मानसून के खतरे में कचरा सबसे बड़ा कारक है। अप्रत्यक्ष रूप में अदालती आदेश की भावना को समझें, तो हिमाचल के हर शहर और नदी-नालों से जुड़े परिवेश में समझना होगा कि आखिर इस कचरे का इंतजाम होगा कैसे। वैसे प्रयासरत नगर निकाय घर द्वार से कचरा उठा रहे हैं, लेकिन यह सभ्यता का प्रश्न है जो अड़ोसी-पड़ोसी से, दुकान-व्यापार तक और पर्यटन के हर व्यवहार तक कचरे का जनक बन रहा है। प्रचार सामग्री की अत्यधिकता में शहरों की बदनुमा तस्वीर का अवलोकन करें, तो सियासी संलिप्तता की मशहूरी तो चुनाव में निरंकुश होती नजर आती है। कचरे के ढोल पीटती प्रचार सामग्री का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बाजारों की हर अदा में झंडों की कतार सजी है और फिक्र यह नहीं कि इसके आंचल में कितनी अफरातफरी मची है। हद यह कि लोकतांत्रिक प्रतिष्ठानों या राष्ट्रीय महत्व के स्थलों पर चुनाव का चरित्र टंगा है। एक अरसे धर्मशाला शहीद स्मारक समिति प्रशासन से गुहार कर रही है कि यहां इस तरह के विज्ञापन चस्पां न हों, लेकिन ताज्जुब यह कि यहां हर बैनर पर राजनीतिक हस्तियों का सीना ऊंचा होता है। यह सत्ता पक्ष के प्रचार का भी नमूना है कि वहां से लोकसभा के उम्मीदवार के दीदार हो रहे हैं या कहीं उपचुनाव के चमत्कार नजर आते हैं। हिमाचल के कमोबेश हर शहरी निकाय के हाथ बंधे हैं, इसलिए सरकारी संपत्तियों पर चस्पां प्रचार सामग्री की शक्ल में कचरे के अवतार नजर आते हैं। यहां डंपिंग का मसला बीबीएन से सिरसा नदी तक नहीं, बल्कि पर्यटन उद्योग व ऑनलाइन शॉपिंग के जरिए आ रहे पैकिंग मैटीरियल का भी है। फूड चेन के माध्यम से फास्ट फूड की गुस्ताखियों से अटे पड़े खाली डिब्बे और हाईवे पर खुल रही शराब की दुकानदारी ने खाली बोतलों के जनाजे थमा दिए हैं। बोतलबंद पानी की बरसात हर पहाड़ से पूछिए कि सडक़ के हर मोड़ पर पर्यटक वाहन किस कद्र ढेर उगाते हैं। ब्रेड-बटर और दूध पर मलाई आने से पहले उसकी पैकिंग प्रदेश को कचरे से अभिशप्त कर रही है। हो सकता कुछ समय के लिए शिमला से अवांछित बैनर हट जाएं, लेकिन मौजूदा चुनाव की सामग्री में कचरा तौलेंगे, तो न जाने कितने पहाड़ बन जाएंगे। ऐसे में पर्यटन प्रदेश कहलाने के साथ-साथ कचरे के सही निपटान का प्रबंधन करना होगा। हर शहर से गांव-कस्बे तक डंपिंग साइट्स के अलावा कूड़ा कचरा निष्पादन का उचित प्रबंधन करना पड़ेगा। यह नागरिक समाज की चिंता का विषय होना चाहिए और व्यापार से उद्योग धंधों तक इस दिशा में सहभागिता से ही हम अभिशप्त होने से बचेंगे।

जिंदा जलाकर हत्या के मामले में दो अभियुक्त गिरफ्तार, सात अब भी फरार

नवादा (हिंस)। नवादा जिले के कौआकोल में झारखंड की सीमा पर एक युवक को बदमाशों के पेट्रोल छिड़क कर जिंदा जलाकर मार दिए जाने के मामले में पुलिस ने नौ दिनों बाद 9 अभियुक्त में से दो को गिरफ्तार कर लिया है। सात अभियुक्त अब भी फरार बताए जाते हैं। नवादा के एसपी कार्तिकेय शर्मा ने शुक्रवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि घटना की शिकार युवक की मां ने 9 मई को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी जिसमें 9 लोगों को अभियुक्त बनाया गया था। जिसमें से पुलिस ने भारी मशक्कत से 9 दिन बाद कौवाकोल थाने के झरना गांव के सुरेश राय तथा रूपेश राय नामक युवक को गिरफ्तार किया है। एसपी ने यह भी बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त ने स्वीकार किया है कि हत्या के पूर्व मृतक मुकेश ने शराब निर्माण के मामले में उसके चचेरे भाई की पत्नी पुष्प देवी को दनियां गांव में उत्पाद पुलिस से शराब निर्माण के मामले में गिरफ्तार करवा दिया था, जिसके प्रतिशोध में इस हत्या कांड को अंजाम दिया गया।

मोदी राज में सुरक्षित है सनातन और आरक्षण : एनडीए प्रत्याशी संजय

बेतिया (हिंस)। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर वर्तमान सांसद व एनडीए प्रत्याशी डॉ. संजय जायसवाल ने आज नौतन विधानसभा के सनसरैया, खड्डा, दक्षिणी तेलुआ, डाबड़ीया, गहीरी आदि पंचायतों के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर लोगों से मुलाकात की तथा जीत का आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों तक चंपारण को विकास से महरूम बनने वाले लोग एक बार फिर से लोगों को बरगलाने में जुटे हुए हैं। विपक्षी ताकतों द्वारा झूठ बोल कर लोगों को आरक्षण आदि के नाम पर डराने की कोशिश की जा रही है लेकिन चंपारण के लोग जानते हैं कि इन विपक्षियों का एकमात्र उद्देश्य सत्ता पाना है, लोगों की सेवा करना नहीं। जनता जानती है, विकास, सनातन और आरक्षण सब मोदी सरकार में ही सुरक्षित है।

विपक्ष को सनातन विरोधी बताते हुए उन्होंने कहा कि चंपारण के लोग भूले नहीं है कि कैसे इनके नेताओं ने हर मौके पर सनातन धर्म का बार-बार अपमान किया है। कैसे इनके नेताओं ने अभी हाल तक रामचरितमानस और सनातन के देवी-देवताओं को अपशब्द कह कर राज्य में सांप्रदायिक तनाव घोलने का प्रयास किया था। यहां तक कि इनके नेताओं ने 500 साल बाद बने राम-मन्दिर में हुई प्राण-प्रतिष्ठा पूजा का बहिष्कार तक कर दिया था। वह लोग जान लें चंपारण के लोग भगवान राम और बिहार की बेटी माता सीता या मां दुर्गा का अपमान सहन करने वाले नहीं है। डॉ. जायसवाल ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर जी के बाद यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं, जिन्होंने गरीब सवर्णों को 10 प्रतिशत आरक्षण का अधिकार दिया। उन्होंने ने ही नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए संसद में महिलाओं की भागीदारी को 33 प्रतिशत सुनिश्चित किया। इसी तरह बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए ने सत्ता संभालते ही महिलाओं के नेतृत्व पर विश्वास किया और उन्हें शिक्षा विभाग में 50 प्रतिशत अन्य सरकारी नौकरियों तथा पोस्टिंग में 35 प्रतिशत के आरक्षण का अधिकार दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को जान लेना चाहिए कि उनकी झूठ की राजनीति अब चलने वाली नहीं है। जनता उनके बहकावे में आने वाली नहीं है।

इंडी गठबंधन सरकार में रहते क्यों नहीं दिया आटा व डाटा : योगी

बलरामपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज चुनाव का समय है। गठबंधन के लोग कहते हैं कि हम गरीबों को आटा और डाटा देंगे। जब आपकी सरकार थी तब आपने क्यों नहीं दिया। कहा कि यह लोग गरीबों के हक पर डकैती डालने वाले लोग हैं। ये लोग अपनी सरकार में गरीबों के राशन और रोजगार पर डकैती डाली है। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को जनपद के लोकसभा सीट गोण्डा के रेहरा बाजार में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह लोकसभा का चुनाव राम भक्तों और राम द्रोहियों के बीच का है। यह राम द्रोही के साथ-साथ राष्ट्र द्रोही भी हैं। इंडी गठबंधन समाज को जाति के नाम पर लड़ाने और बाबा भीमराव आंबेडकर का अपमान करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि जब राम भक्त 400 पार कहते हैं तो यह लोग कहते हैं कैसे आएगा, तो जनता कहती है *जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे* । पूरे देश की एक ही आवाज है फिर एक बार मोदी सरकार। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस-सपा से सवाल करते हुए कहा कि जब उनकी सरकार थी तब उन्होंने क्या किया ? राम भक्तों पर गोली चलवाई, मंदिरों पर आतंकवादी हमला करने वाले लोगों पर से मुकदमा वापस लेने का प्रयास किया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि पहले कांग्रेस की सरकार में आतंकवादी घटनाएं घटती थी। बीते 10 वर्षों में देश में कहीं भी आतंकी घटनाएं नहीं हुई। कही

जोर से पटाखा भी फटता है तो पहले पाकिस्तान से सफाई आ जाती है इसमें उनका कोई हाथ नहीं। यह नया भारत है। मोदी का भारत है। योगी ने आगे कहा कि मोदी जी के साथ राम भक्तों की पूरी फौज खड़ी है। राम भक्तों के लिए विकसित भारत बनाना महत्वपूर्ण है। दुनिया के अंदर राम भक्तों ने भारत का सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहाकि राज्य में चार चरणों में चुनाव संपन्न हो चुका है। अब तक 285 लोकसभा सीटों पर चुनाव हुए हैं और सभी सीटों पर हर तरफ एक ही नारा है, जो राम को लाए हैं हम उनको लायेंगे। मुख्यमंत्री ने भाजपा उम्मीदवार कीर्तिवर्धन सिंह *राजा भैया* के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए फिर एक बार मोदी सरकार का संकल्प दोहराया।

बाल संरक्षण समिति के प्रयास से बाल विवाह का शिकार होने से बची किशोर

खूंटी (हिंस)। बाल संरक्षण पदाधिकार अल्ताफ अंसारी और उनकी पांच सदस्यी टीम के प्रयास से एक नाबालिग किशोरी बाल विवाह क शिकार होने से बच गई। जानकारी के अनुसार जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को सूचना मिली कि तोरपा थाना क्षेत्र के सुंदारी गांव में किशोर लड़की की शादी होनेवाली है। बाल संरक्षण पदाधिकारी ने इसकी लिखित सूचना अनुमंडल दंडाधिकारी को दी और टीम गठित करने का

अनुरोध किया। अनुमंडल दंडाधिकारी द्वारा पांच सदस्यीय जांच टीम गठित की गई। जांच के दौरान पता चला कि किशोर लड़की की उम्र 16 वर्ष है। बालिका की शादी की बात कामडारा, गुमला में चल रही थी और इसी महीने शादी होनेवाली थी। नाबालिग लड़की को शनिवार को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। बालिका के माता पिता से नॉन जुडिशियल स्टांप पेपर पर शपथ पत्र लिया जाएगा कि जब तक बालिका की उम्र 18 वर्ष नहीं होगी, उनका विवाह नहीं करेंगे। साथ ही संबंधित ग्राम बाल संरक्षण समिति द्वारा इसका फॉलोअप किया जाएगा।

राष्ट्रवादी मुस्लिम पसमांदा महाज ने राजनाथ सिंह का समर्थन किया

लखनऊ (हिंस)। लखनऊ में लोकसभा चुनाव के दौरान मुस्लिम मतदाताओं के बीच भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह का जोर-शोर से प्रचार हो रहा है। इसी दौरान मुस्लिम वर्ग में कार्य करने वाले संगठन राष्ट्रवादी मुस्लिम पसमांदा महाज ने राजनाथ सिंह का समर्थन किया है। राजनाथ सिंह के लिए अब संगठन के पदाधिकारी प्रचार में जुटे हैं। राष्ट्रवादी मुस्लिम पसमांदा महाज के नेता औरंगजेब आलम इदरीशी ने कहा कि जन जन में लोकप्रिय नेता राजनाथ सिंह एक बार फिर से चुनाव जीते। इसके लिए उनके संगठन ने भाजपा और राजनाथ सिंह को समर्थन देते हुए प्रचार आरम्भ कर दिया है। लखनऊ शहर में राष्ट्रवादी मुस्लिम पसमांदा महाज की महानगर अध्यक्षा शहनाज़ बानो की अगुवाई में आरजू नगर, मड़ियांव, अजीत नगर, हिम सिटी की कालोनियों में एक एक मकान में प्रचार किया गया है। औरंगजेब ने कहा कि लखनऊ से भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह एतिहासिक मतों से विजयी होंगे। उन्हें भाजपा के समर्थकों के अलावा दूसरे वर्ग का भी पूरा समर्थन मिल रहा है। इस बार जीत का अंतर चार से पांच लाख तक होगा।

दो आईपीएस के तबादले हेमंत प्रियदर्शी और संजय अग्रवाल बने महानिदेशक

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार ने शुक्रवार को एक आदेश जारी कर दो आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए है। हेमंत प्रियदर्शी का पुलिस महानिदेशक एससीआरबी, साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवाएं (टेलिकॉम्यूनिकेशन एवं टेक्निकल) और संजय कुमार अग्रवाल को पुलिस महानिदेशक इंटेलीजेंस पद पर तबादला किया गया है।

प्रयागराज में मोदी-योगी एवं अमित शाह की जनसभा को सफल बनाने में जुटी भाजपा

प्रयागराज (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रयागराज की दोनों लोकसभा सीटों फूलपुर एवं इलाहाबाद में होने वाले 25 मई के मतदान को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रस्तावित जनसभा को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत के साथ जुट गई है। भाजपा जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि 19 मई को गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा होगी। 21 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशाल जनसभा लगभग तय हो चुकी है। प्रचंड गर्मी को देखते हुए संगठन जनसभा को सफल बनाने के लिए इलाहाबाद एवं फूलपुर की सभी विधानसभाओं में पार्टी की ओर से बैठकें की जा रही हैं। इसमें मंडल अध्यक्षों से लेकर विधायकों तक के लोगों को लाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा मोर्चा और प्रकोष्ठों की भी जिम्मेदारी तय की गई है। मोदी की जनसभा में लगभग 15 लाख से 25 लाख तक और योगी की जनसभा में 10 से 15 लाख तक संख्या का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को साधने के लिए सभी मंडल अध्यक्षों को 20, 000, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, महापौर एवं सांसदों को 50, 000 हजार की संख्या का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जालोर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर हाईकोर्ट की रोक, नहीं तोड़े जाएंगे घर

जालोर (हिंस)। ओडवाड़ा गांव में चल रही अतिक्रमण की कार्रवाई पर जोधपुर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। जस्टिस विनीत माथुर की बैंच ने 29 लोगों की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया। याचिकाकर्ताओं के वकील श्याम पालीवाल ने कोर्ट में कहा कि हमारे पास पट्टा है, सनद है तथा पिछले 80 सालों से हम उन मकानों में रह रहे हैं। इन मकानों में हमारे परदादा-दादा से लेकर हम लोग रहते आ रहे हैं। इतना ही नहीं इन मोहल्लों में राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार ने भी वेलफेयर डेवलपमेंट किया है। बिजली पानी के कनेक्शन भी दिए हुए हैं। ऐसे में एक व्यक्ति की पिटिशन पर हमें अतिक्रमी नहीं माना जा सकता है। सुनवाई के बाद इस पर हाईकोर्ट ने अतिक्रमण हटाने के आदेश पर रोक लगाते हुए आदेश की पालना का निर्देश दिए। सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश पंवार ने पक्ष रखा। जिला कलेक्टर पूजा पार्थ का कहना है कि पूरे मामले को दिखवाया जा रहा है। जिला परिषद

सीईओ को इस मामले में निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के नए आदेशों के बारे में अभी जानकारी मिली है, लेकिन कॉपी अब तक नहीं मिली है। हमारी कोशिश रहेगी कि किसी को भी बेघर नहीं होने दिया जाएगा। चारागाह भूमि पर कैसे पट्टे और बिजली के कनेक्शन दिए गए। ये भी दिखवाया जा रहा है। इस पूरे मामले को लेकर आहोर (जालोर) के विधायक छगन सिंह राजपुरोहित ने सीएम भजनलाल शर्मा से मुलाकात की थी।

पृथ्वीराज चौहान के पदचिन्हों पर चलकर राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित हो युवा पीढ़ी : राणा

मुरादाबाद (हिंस)। करणी सेना मुरादाबाद महानगर इकाई ने शुक्रवार को सम्राट पृथ्वीराज चौहान जयंती पर गोष्ठी आयोजित की। इस अवसर पर पृथ्वीराज चौहान के चित्र पर सभी पदाधिकारियों ने पुष्प अर्पित किए। मुख्य वक्ता के रूप में आए करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर योगेंद्र सिंह राणा ने कहा कि युवा पीढ़ी सम्राट पृथ्वीराज चौहान के पदचिन्हों पर चलकर राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित हो। अन्य वक्ताओं ने भी पृथ्वीराज चौहान के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष ठाकुर तनवीर सिंह, जिला अध्यक्ष ठाकुर अखिलेश सिंह कठेरिया, ठाकुर चेतन सिंह राणा, अमित ठाकुर, ठाकुर अभिरित प्रताप सिंह, ठाकुर अभिषेक सिंह कठेरिया, प्रिंस उर्फ भूरा, विजय चौहान, प्रिंस ठाकुर, अंकुल ठाकुर, गुड्डू सिंह, निहाल सिंह, तुषार सिंह, ठाकुर अथर्व प्रताप सिंह, ठाकुर दिव्यांश सिंह, ठाकुर फुंटी सिंह आदि करणी सैनिक मौजूद रहे।

थाना में जीजा एवं साली की आत्महत्या मामले में तोड़फोड़ के आरोप में दस हिरासत में

अररिया (हिंस)। जिला के ताराबाड़ी थाना के हाजत में हुए जीजा एवं साली की आत्महत्या मामले में आक्रोशित लोगों के द्वारा किए गए पत्र एवं तोड़फोड़ की घटना को लेकर पुलिस ने दस लोगों को हिरासत में लिया है। मामले को लेकर अररिया जिला पुलिस की ओर से एक प्रेस रिलीज जारी की गई है जिसमें बताया गया है कि ताराबाड़ी थाना में हुए आत्महत्या मामले में आक्रोशित लोगों के द्वारा पथराव एवं तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया गया, जिसमें उपद्रवी तत्वों के द्वारा चार सरकारी वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया एवं थाना परिसर में ही पब्लिक के बैठने के लिए बने फूस की झोपड़ी में आग लगा दिया गया। जिला पुलिस की ओर से जारी रिलीज में बताया गया कि आक्रोशित लोगों के द्वारा किए गए पथराव में चार पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। वहीं पुलिस द्वारा बचाव में वीर को हटाने के लिए तीन से चार राउंड फायरिंग की गई। मामले को लेकर ताराबरी थाना में प्राथमिक की दर्ज की गई है और तत्काल पुलिस हंगामा कर रहे 10 लोगों को हिरासत में

लिया है। तोड़फोड़ करने वालों की पहचान के लिए थाना में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल जा रहा है। वही शव का पोस्टमार्टम मजिस्ट्रेट की निगरानी में कराई जा रही है। घटना की जांच के लिए फॉरेंसिक साइंटिफिक लैबोरेट्री एफएसएल की टीम को बुलाई गई है जो मामले की जांच कर रही है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसपी अमित रंजन सहित जिले के वरीय पदाधिकारी और कई थाना पुलिस मौके पर कैंप कर रहे है। थाना सहित विभिन्न इलाकों में अतिरिक्त पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की गई है जिला पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में बताते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उपद्रवी तत्वों की सीरत कर कार्रवाई करने की बात कही।

राजनीतिक दलों के सामने हुआ ईवीएम व वीवीपैट का रेंडमाइजेशन

गोपालगंज (हिंस)। लोक सभा निर्वाचन गोपालगंज को लेकर आज जिला समाहरणालय सभा कक्ष में सामान्य प्रेक्षक तन्वी सुन्दरियाल एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला मो मकसूद आलम की उपस्थिति में विधानसभावार ईवीएम, बीयू, वीवीपैट का प्रथम सप्लमेंट्री रैंडमाइजेशन किया गया। प्रेक्षक द्वारा उपस्थित अभ्यर्थियों को बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान केंद्रवार सुरक्षित ईवीएम, बीयू, वीवीपैट का रैंडमाइजेशन प्रक्रिया पारदर्शी एवं आपकी संतुष्टी के लिए आपकी उपस्थिती में कराया गया ताकि पारदर्शिता बनी रहे। अभ्यर्थियों को इसकी हस्ताक्षरित प्रति भी उपलबध कराई गई। जिससे वे भविष्य में मिलान भी कर सकें कि फाईनल रेन्डमाजेशन के पश्चात वहीं सप्लामेंट्री ईवीएम मतदान केंद्र पर मतदान के लिए प्रयोग में लाया गया। विधानसभा वार डीआईओ रंजीत कुमार द्वारा प्रेक्षक की उपस्थित में अभ्यर्थियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की अनुमति से गोपालगंज -17 लोकसभा क्षेत्र के लिए ईवीएम, बीयूएवं वीवी पैट रेंडमाइजेशन प्रक्रिया संपन्न कर लॉक किया गया एवं सभी को उसकी हस्ताक्षरित प्रति उपलब्ध करा दी गई। इस पूरे रेन्डमाईजेशन प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। इस अवसर पर जिला स्तरीय विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, लोक सभा क्षेत्र गोपालगंज-17 अभ्यर्थी, प्रतिनिधि के साथ, उप निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. शशि प्रकाश राय, नोडल पदाधिकारी ईवीएम कोषांग सह डीसीएल अकरम और जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी रंजीत कुमार आदि मौजूद थे।

यूपी रोडवेज की बस और ट्रक में टक्कर, पांच महिलाओं की मौत

भरतपुर (हिंस)। जयपुर-आगरा हाईवे पर भरतपुर के हलैना के पास शुक्रवार को दोपहर में जयपुर जा रही यूपी रोडवेज की बस आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। इस भीषण सड़क हादसे में पांच महिलाओं की मौत हो गई। 12 यात्री घायल हो गए हैं। पुलिस के अनुसार उत्तर प्रदेश परिवहन के अलीगढ़ डिपो की बस अलीगढ़ से जयपुर जा रही थी। हाईवे पर जयपुर की तरफ जा रहा लकड़ियों से भरा ट्रक आगे चल रहा था। ट्रक की स्पीड कम थी। बस की स्पीड तेज थी। बस ड्राइवर ने ओवरटेक करने की कोशिश की। इस दौरान सामने से दूसरा ट्रक आया तो बस ड्राइवर ने ब्रेक लगाने की जगह साइड में चल रहे ट्रक में बस घुसा दी। हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस के ड्राइवर और कंडक्टर घायल हैं। इसी बीच ट्रक ड्राइवर फरार हो गया। इस हादसे में निक्की जाट (28), रामू (35), संतोष (45), सूर्यप्रताप (21), राजू (27), मोहित (32), पप्पू (45), जीतेंद्र (25), अवनीश (35), तेजवीर (32), सुमित (26), एक बच्ची (3), एक बच्चा (1) घायल हुए हैं। पांच महिलाओं की मौत मौके पर हो गई, जिनके शव हलैना सीएचसी की मॉर्च्युरी में रखवाए गए हैं। मृत महिलाओं की पहचान की जा रही है। दुर्घटना में 13 में से 8 घायलों को भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल रेफर किया गया है। पांच घायलों का इलाज हलैना हॉस्पिटल में चल रहा है। भरतपुर में इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। भरतपुर कलेक्टर अमित यादव, पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा और सीएमएचओ गौरव कपूर आरबीएम अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों का हाल-चाल जाना। परिवार के साथ मेहंदीपुर बालाजी जा रहे एक यात्री ने बताया कि बस जयपुर जा रही थी। हम मथुरा से मेहंदीपुर बालाजी दर्शन के लिए जा रहे थे। बस ड्राइवर ने ओवरटेक किया था। ब्रेक नहीं लगे तो उसने चलते ट्रक में बस घुसा दी। इसके बाद ट्रक काफी दूर बस को घसीटते ले गया। भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल में भर्ती घायल बस यात्री सूर्यप्रताप सिंह ने बताया कि बस ड्राइवर की गलती है। घायलों को एंबुलेंस से आरबीएम हॉस्पिटल लाने का सिलसिला जारी है। अधिकतर यात्रियों के सिर में चोट लगी है। मेडिकल स्टाफ ट्रॉमा वार्ड में घायलों के इलाज में जुटा है।

भारतीय फिल्म *मंथन* का कान्स फिल्म फेस्टिवल में होगा रेड-कार्पेट वर्ल्ड प्रीमियर शो

जयपुर (हिंस)। फ्रांस में 14 से 25 मई तक आयोजित हो रहे सुविख्यात 77 वें वार्षिक कान्स फिल्म फेस्टिवल के लिए इस वर्ष क्लासिक सेक्शन में चयनित जाने माने निर्माता निर्देशक श्याम बेनेगल द्वारा निर्मित लोकप्रिय फिल्म *मंथन* (1976) का शुक्रवार 17 मई को कान्स में रेड-कार्पेट वर्ल्ड प्रीमियर शो होगा। फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक और दक्षिणी राजस्थान के डूंगरपुर राजघराने से संबद्ध शिवेन्द्र सिंह डूंगरपुर के नेतृत्व में 48 वर्ष पुरानी इस फिल्म मंथन के पुनरुद्धार का कार्य किया गया है। शिवेन्द्र सिंह डूंगरपुर ने बताया कि 17 मई को फ्रांस के 77 वें वार्षिक कान्स फिल्म फेस्टिवल में दोपहर तीन बजे (भारतीय समय अनुसार देर रात) होने वाले इस रेड-कार्पेट वर्ल्ड प्रीमियर शो में उनके साथ ही भारत सरकार के सूचना मंत्रालय के सचिव संजय जाजू, फिल्म के मशहूर अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, सिने तारिका दिवंगत स्मिता पाटिल के पुत्र प्रतीक बब्बर, डॉ. अनिता पाटिल देशमुख एवं मान्या पाटिल सेठ, भारत में श्वेत क्रांति के जनक दिवंगत डॉ. वर्गीस कुरियन की बेटी निर्मला कुरियन, गुजरात सहकारी दुग्ध मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड के

प्रबंध निदेशक डॉ.जयेन मेहता भी रेड-कार्पेट वर्ल्ड प्रीमियर शो में भाग लेंगे। फिल्म के निर्माता श्याम बेनेगल स्वास्थ्य कारणों से समारोह में शामिल नहीं हो पा रहे है। उन्होंने बताया कि इस बार फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन द्वारा गुजरात के पांच लाख दुग्ध उत्पादकों द्वारा एकत्रित चंदा राशि से बनाई गई श्याम बेनेगल की फिल्म *मंथन* (1976) फिल्म का चार के रिस्टोरेशन और पुनरुद्धार कर इसे उच्च गुणवत्ता की स्क्रीनिंग योग्य बनाया गया है। इस चर्चित फिल्म के निर्माण के लिए प्रत्येक दुग्ध उत्पादक किसान ने दो-दो रुपए का योगदान दिया था। इसके साथ ही कान्स फिल्म फेस्टिवल में इस बार फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन अपनी पुनरुद्धारित फिल्मों के प्रदर्शन की हैट्रिक भी लगाने जा रहा है। इससे पहले फाउंडेशन द्वारा पुनरुद्धार की गई दो फिल्मों को 2022 में अरविंदम प्रोडक्शन की मलयालम फिल्म *थम्प* और 2023 में मणिपुरी फिल्म निर्माता अरिबम स्याम की क्लासिक फिल्म *इशानौ* को भी लगातार दो वर्षों कांस महोत्सव में भाग लेने का अवसर मिल चुका है। अब यह तीसरा मौका होगा जब मंथन फिल्म को भी कांस के रेड कारपेट विश्व प्रीमियम शो में भाग लेने का अवसर मिलेगा। भारतीय सिनेमा जगत के विख्यात महानायक अमिताभ बच्चन, निर्माता निर्देशक श्याम बेनेगल और सिनेमैटोग्राफर गोविंद निहलानी और फिल्म अभिनेता नसीरुद्दीन शाह आदि ने उनकी पुनरुद्धारित फिल्म मंथन को कांस अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में शामिल किए जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा है कि यह फिल्म उनके दिल के बहुत नजदीक स्थान रखती है। उन्होंने शिवेन्द्र सिंह डूंगरपुर और उनकी टीम का उनके कड़े परिश्रम से फिल्म रिस्टोरेशन का काम करने के लिए आभार व्यक्त किया है।

एचएएल का चौथी-तिमाही में मुनाफा 52 प्रतिशत बढ़कर 4,308 करोड़ हुआ : आय में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी, कंपनी के शेयर ने एक साल में 195 प्रतिशत रिटर्न दिया

मुंबई।
हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल का वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार पर 52 प्रतिशत बढ़कर 4,308 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 2,831 करोड़ रहा था। चौथी तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए हैं।

एक साल में एचएएल ने 195 प्रतिशत रिटर्न दिया

रिजल्ट आने के बाद एचएएल का शेयर करीब 11 प्रतिशत बढ़कर 4,637.90 पर बंद हुआ। पिछले एक साल में इसने 195.98 प्रतिशत रिटर्न दिया है। कंपनी का मार्केट कैप 3.08 लाख करोड़ रुपए है।

आय में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी

एचएएल के ऑपरेशन से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू यानी आय में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एफवाय24 की चौथी तिमाही में ऑपरेशन से रेवेन्यू 14,768 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी एफवाय23 की चौथी तिमाही में रेवेन्यू 12,494 करोड़ रहा था।

वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का मुनाफा 30 प्रतिशत बढ़ा

एचएएल का पूरे वित्त वर्ष 2024 में कंसॉलिडेटेड मुनाफा 30.77 प्रतिशत बढ़कर 7620 करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2023 में मुनाफा 5827 करोड़ रहा था।

वित्त वर्ष 2024 में रेवेन्यू 30,380 करोड़ रहा

वहीं एचएएल का वित्त वर्ष 2024 में ऑपरेशन से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू बढ़कर 30,380 करोड़ पहुंच गया। वित्त वर्ष 2023 में रेवेन्यू 26,927 करोड़ रहा था। यानी रेवेन्यू में 12.82 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। क्या होता है स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक यूनिट का वित्तीय प्रदर्शन दिखाया जाता है। जबकि, कंसॉलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी की रिपोर्ट दी जाती है।

यहां, एचएएल की 2 सब्सिडियरी और 12 जॉइंट वेंचर हैं। इन सभी के फाइनेंशियल रिपोर्ट को मिलाकर कॉन्सोलिडेटेड कहा जाएगा। वहीं, एचएएल के अलग रिजल्ट को स्टैंडअलोन कहा जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेडमार्क उल्लंघन विवाद में फोनपे को मिली जीत

नई दिल्ली। फोनपे ट्रेडमार्क उल्लंघन विवाद में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मेसर्स अनिकेत फूड्स के खिलाफ फोनपे के पक्ष में आदेश दिया है। उच्च न्यायालय ने 10 अप्रैल, 2024 को फोनपे के पक्ष में आदेश जारी करते हुए मेसर्स अनिकेत फूड्स (इसके एजेंटों, उत्तराधिकारियों, स्टॉकिस्टों, वितरकों, डीलरों या इसके माध्यम से या इसके तहत दावा करने वाले किसी भी व्यक्ति) को माल विनिर्माण और बिक्री के लिए ट्रेडमार्क का उपयोग करने से रोक दिया था। न्यायालय ने अनिकेत फूड्स के परिसर का दौरा करने और ट्रेडमार्क का उल्लंघन कर बनाए गए सामानों व उपलब्ध स्टॉक की जानकारी लेने के लिए एक विशेष अधिकारी को भी नियुक्त किया। उक्त विशेष अधिकारी ने 19 अप्रैल को परिसर को दौरा किया और बड़ी मात्रा में फोनपे ट्रेडमार्क उल्लंघन वाले उत्पाद/सामग्री पाई। इसके बाद, मेसर्स अनिकेत फूड्स ने न्यायालय के बाहर समझौते के लिए फोनपे से संपर्क किया और उसके अधिकारों को स्वीकार किया व अपनी अवैध व उल्लंघनकारी गतिविधियों को रोकने की बात कही। समझौते के तहत मेसर्स अनिकेत फूड्स ने बिना शर्त स्वीकार किया कि, ट्रेडमार्क अधिनियम, 1999, कॉपीराइट अधिनियम, 1957 और सामान्य कानून सहित सभी उचित कानूनों के तहत फोनपे उक्त ट्रेडमार्क फोनपे का सच्चा और वैध मालिक है, और उक्त ट्रेडमार्क विशेष रूप से फोनपे से संबद्ध है। फोनपे के ट्रेडमार्क फोनपे, ट्रेड मार्क्स अधिनियम, 1999 और नियमों के प्रावधानों के तहत अत्यधिक प्रतिष्ठित, विशिष्ट और प्रसिद्ध ट्रेडमार्क है और यह बिना किसी समय सीमा के पूरी तरह से, बिना शर्त और स्थायी रूप से फोन से संबंधित है। फोनपे उक्त ट्रेडमार्क का पूर्व उपयोगकर्ता है और फोनपे चिह्न फ़ोन और पी शब्दों का अद्वितीय संयोजन है। अनिकेत फूड्स कभी भी, किसी भी सामान या सेवाओं के लिए किसी भी कानून के तहत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, ट्रेडमार्क फोनपे में किसी भी मालिकाना अधिकार, ट्रेडमार्क अधिकार, सामान्य कानून अधिकार, या कॉपीराइट का उपयोग और दावा नहीं करेगा और/या उक्त ट्रेडमार्क के समान और/या भ्रामक रूप से किसी भी चिह्न/नाम पर दावा नहीं करेगा।

सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की शक्ति हमारे पास नहीं, अदालत ने खारिज की एमएमटीसी की अपील

नई दिल्ली। मेटल्स एंड मिनरल्स ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एमएमटीसी) को एक विशेष अदालत से झटका लगा है। विशेष अदालत ने एमएमटीसी की याचिका को खारिज कर दिया है। इस याचिका में 2009 में बढ़ी हुई दरों पर एक ऑस्ट्रेलियाई कंपनी से कोयले के आयात में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में सीबीआई द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई थी। विशेष अदालत ने एमएमटीसी की इस याचिका को खारिज करते हुए कहा कि उसके पास सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने और मामले की जांच करने का निर्देश देने की शक्ति नहीं है। बता दें कि मेटल्स एंड मिनरल्स ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने मामले में एफआईआर दर्ज करने के लिए सीबीआई को निर्देश देने की मांग की थी। जिसकी अब केंद्रीय जांच एजेंसी प्रारंभिक जांच दर्ज करके जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच यह सुनिश्चित करने के लिए एजेंसी का पहला कदम है कि क्या प्रथम दृष्टया आरोपों में एफआईआर या नियमित मामले के माध्यम से पूर्ण जांच की आवश्यकता के लिए पर्याप्त सामग्री है।

स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम ने तीन अधिकारियों के खिलाफ दर्ज कराया केस 69 करोड़ रुपये गबन करने का आरोप

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम ने 69 करोड़ रुपये के गबन के आरोप में बैंक के तीन अधिकारियों के खिलाफ अपराध जांच विभाग (सीआईडी) में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बैंक ने प्राथमिकी में धन के गबन के लिए तीन अधिकारियों दोरजी शेरिंग लेप्चा, महाप्रबंधक (संचालन), त्सेवांग दोरजी लेप्चा, सहायक प्रबंधक (आईटी) और तिलक राय, वरिष्ठ लेखा सहायक पर आरोप लगाए हैं। 14 मई को दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि तीनों अधिकारियों ने सरकारी अधिकारियों के नाम पर विभिन्न सावधि जमा खाते खोले और शेष बैंक धन को विभिन्न चल व अचल संपत्तियों में निवेश किया। बैंक ने सीआईडी से चल (बैंक खातों, एफडी, शेयर, म्यूचुअल फंड) और अचल संपत्तियों सहित सभी संपत्तियों को तुरंत फ्रीज करने का अनुरोध किया है जो उनके व्यक्तिगत नाम के साथ-साथ उनके परिवार के निकटतम सदस्यों के नाम पर दर्ज हैं। स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम सिक्किम सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय है। सीआईडी ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और वे मामले की जांच कर रहे हैं।

अब नेपाल में एमडीएच -एवरेस्ट मसालों पर बैन लगा : कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड की जांच शुरू की, अप्रैल में सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग ने किया था बैन

नई दिल्ली।
सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग के बाद अब नेपाल ने भी भारत के दो मसाला ब्रांड एवरेस्ट और एमडीएच की बिक्री, खपत और आयात पर रोक लगा दी है। नेपाल के खाद्य प्रौद्योगिकी एवं गुणवत्ता नियंत्रण विभाग के प्रवक्ता मोहन कृष्ण महारजन ने कहा, नेपाल में आयात किए जा रहे एवरेस्ट और एमडीएच ब्रांड के मसालों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मसालों में हानिकारक केमिकल के अंश पाए जाने की खबर आने के बाद एक हफ्ते पहले आयात पर प्रतिबंध लगाया गया था और हमने मार्केट में भी इसकी बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन दो ब्रांड्स के मसालों में केमिकल के लिए जांच चल रही है। अंतिम रिपोर्ट आने तक प्रतिबंध लागू रहेगा।

अप्रैल में सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग ने एवरेस्ट और एमडीएच के मसालों पर लगाया था बैन - इससे पहले अप्रैल महीने में सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने एमडीएच और एवरेस्ट दोनों कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट्स में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की लिमिट से ज्यादा मात्रा होने के कारण उन्हें बैन किया था। इन प्रोडक्ट्स में इस पेस्टिसाइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है। हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा था कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई है। एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया है।

भारतीय मसालों का रिजेक्शन रेट बेहद कम- वाणिज्य मंत्रालय - 15 मई को वाणिज्य मंत्रालय ने कहा था कि भारतीय मसालों का रिजेक्शन रेट बेहद कम है। वहीं, निर्यात सैंपल की विफलता भी कम है। मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा था,हमारी ओर से प्रमुख देशों को निर्यात किए गए मसालों की कुल मात्रा के मुकाबले अस्वीकृति दर 1 प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय रिकॉल और अस्वीकृति आंकड़ों पर नजर रखता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा था कि वित्त वर्ष 24 में भारत ने लगभग 14.15 मिलियन टन मसालों का निर्यात किया, जिसमें से केवल 200 किलोग्राम के मसाले की एक छोटी मात्रा को ही वापस मंगाया गया।

एक सैंपल का प्रभावित होना कोई बड़ी बात नहीं

- वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया था कि भारतीय निर्यात के लिए सैंपल फेलियर 0.1 प्रतिशत से 0.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर बना हुआ है, जबकि अन्य देशों से आने वाले मसाले का सैंपल फेलियर 0.73 प्रतिशत है। उन्होंने कहा था कि एक सैंपल का प्रभावित होना कोई बड़ी बात नहीं है। भारत कई बार कई देशों के सैंपल को खारिज भी कर देता है।

भारत ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग से डीटेल्स मांगी थी - 24 दिन पहले एमडीएच और एवरेस्ट मसालों के बैन के मामले में भारत ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग के फुड रेगुलेटर्स यानी खाद्य नियामक से डीटेल्स मांगी हैं। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने सिंगापुर और हांगकांग दोनों में भारतीय दूतावासों को इस मामले पर एक डीटेल्ड रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया था। मिनिस्ट्री ने एमडीएच और एवरेस्ट से भी डीटेल्स मांगी थी।

मसालों में तय मानकों से कम कीटनाशक की अनुमति - 6 मई को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया था, जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि भारतीय फूड कंट्रोलर जड़ी-बूटियों और मसालों में तय मानक से 10 गुना ज्यादा कीटनाशक मिलाने की अनुमति देता है। एफएसएसएआई ने एक प्रेस रिलीज में बताया था कि इस तरह की सभी खबरें झूठी और बेबुनियाद हैं। भारत में मैक्सिमम रेसिड्यू लेवल यानी कीटनाशक मिलाने की लिमिट दुनियाभर में सबसे कड़े मानकों में से एक है। कीटनाशकों के एमआरएल उनके रिस्क के आकलन के आधार पर अलग-अलग फूड मटेरियल के लिए अलग-अलग तय किए जाते हैं।

कुछ कीटनाशकों के लिए बढ़ाई थी लिमिट - हालांकि एफएसएसएआई ने माना था कि कुछ कीटनाशक, जो भारत में केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और रजिस्ट्रेशन कमेटी से रजिस्टर्ड नहीं हैं, उनके लिए यह लिमिट 0.01 एमजी/ केजी से 10 गुना बढ़ाकर 0.1 एमजी/ केजी की गई थी। यह वैज्ञानिक पैनल के रिकमेंडेशन पर ही किया गया था। सीआईबी एन आरसी कीटनाशकों की मैन्युफैक्चरिंग, इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट, ट्रांसपोर्ट और स्टोरेज आदि को रेगुलेट करते हैं।

मिर्च पाउडर में माइक्लोबुटानिल की सीमा 2 एमजी/ केजी - मिर्च पाउडर में मिलाए जाने वाले माइक्लोबुटानिल के लिए कोडेक्स ने 20 एमजी/ केजी की लिमिट तय की है। जबकि एफएसएसएआई इसे केवल 2 एमजी/ केजी तक मिलाने की परमिशन देता है। एक अन्य पेस्टिसाइड स्पाइरोमेसिफेन के लिए कोडेक्स ने 5 एमजी/ केजी की लिमिट तय की है, एफएसएसएआई इसके लिए 1 एमजी/ केजी तक की ही अनुमति देता है। काली मिर्च के लिए मेटालैक्सिल और मेटालैक्सिल-रू के यूज के लिए कोडेक्स ने 2एमजी/ केजी की लिमिट तय की है। जबकि एफएसएसएआई इसे केवल 0.5एमजी/ केजी तक मिलाने की अनुमति देता है।

सीआईबी और आरसी के पास 295 से ज्यादा कीटनाशक रजिस्टर्ड - भारत में सीआईबी और आरसी के पास 295 से ज्यादा कीटनाशक रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 139 कीटनाशकों का इस्तेमाल मसालों में किया जा सकता है, जबकि कोडेक्स ने टोटल 243 कीटनाशकों को एडॉप्ट किया है, इनमें 75 को मसालों में इस्तेमाल किया जा सकता है। कोडेक्स कंज्यूमर हेल्थ की रक्षा करने और फूड बिजनेस पर नजर रखने वाली एक ग्लोबल संस्था है। यह इंटरनेशनल सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं के बीच खाद्य मानकों को तय और लागू करने की अनुमति देती है।

मसाले में क्यों करते हैं कीटनाशकों का इस्तेमाल - मसाला बनाने वाली कंपनियां एथिलीन ऑक्साइड सहित अन्य कीटनाशकों का उपयोग ई. कोली और साल्मोनेला जैसे बैक्टीरिया और फंगस से फूड आइटम्स को खराब होने से बचाने के लिए करती हैं, क्योंकि इन बैक्टीरिया के संपर्क में आने से मसालों की शेल्फ लाइफ बहुत छोटी हो सकती है।

एयर इंडिया पर निजीकरण के बाद नहीं बनता मौलिक अधिकार के उल्लंघन का मामला, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली।
जनवरी 2022 में टाटा समूह की ओर से अधिग्रहण कर लिए जाने के बाद एयर इंडिया लिमिटेड (एआईएल) का संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत राज्य या उसके साधन के रूप में अस्तित्व समाप्त हो गया है और ऐसे में मौलिक अधिकार के कथित उल्लंघन का कोई मामला इसके खिलाफ नहीं बनता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में यह बात कही। शीर्ष अदालत ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 20 सितंबर, 2022 के फैसले के खिलाफ दायर अपीलों को खारिज कर दिया। इनमें एआईएल के कुछ कर्मचारियों द्वारा वेतन में कथित ठहराव और कर्मचारियों की पदोन्नति न होने और संशोधित वेतन के बकाया भुगतान में देरी से जुड़ी चार रिट याचिकाओं का निपटारा किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय के समक्ष याचिकाओं में संविधान के अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता), 16 (सार्वजनिक रोजगार के मामलों में अवसर की समानता) और 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण) के उल्लंघन का दावा किया गया था। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने एआईएल के निजीकरण के कारण रिट याचिकाओं की गैरविचारणीयता के आधार पर याचिकाओं का निपटारा किया था। फैसले में कहा गया है कि इस बात को लेकर कोई संशय नहीं है कि भारत सरकार ने अपना 100 प्रतिशत हिस्सा टैलेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित कर दिया है और अब एक निजी कंपनी के रूप में उस पर सरकार का कोई प्रशासनिक नियंत्रण नहीं रह गया है। अदालत ने कहा कि इसलिए निजी कंपनी द्वारा अधिग्रहण किए जाने के बाद कंपनी को अब राज्य के स्वामित्व वाला नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, इस प्रकार, निर्विवाद रूप से, प्रतिवादी नंबर 3 (एआईएल) अपने विनिवेश के बाद भारत के संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत एक राज्य या इसकी साधन नहीं रह गई। पीठ ने कहा कि यदि एआईएल को संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत राज्य की परिभाषा के अंतर्गत नहीं रखा जाता है।

सोने और चांदी के भाव में गिरावट, सोना 72,900, चांदी लगभग 87,100 रुपए

नई दिल्ली।
देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। लेकिन इसमें गिरावट देखी जा रही है। सुबह शुरुआत में सोने के वायदा भाव 72,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 87,100 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखने को मिल रही है।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 73 रुपये की गिरावट के साथ 72,907 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 99 रुपये की गिरावट के साथ 72,881 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी आज सुस्त रही।

एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 190 रुपये की गिरावट के साथ 87,110 रुपये पर खुलने के बाद 200 रुपये की गिरावट के साथ 87,100 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,381.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,385.50 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.40 डॉलर की गिरावट के साथ 2,380.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.82 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.87 डॉलर था। इस समय यह 0.11 डॉलर की गिरावट के साथ 29.76 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एआई के कारण लोग मानवीय संबंधों के लिए तरसेंगे

नई दिल्ली।
ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा है कि एआई के कारण 5-10 वर्षों में लोग मानवीय संबंधों के लिए तरस जाएंगे। सैम ऑल्टमैन ने एक पॉडकास्ट के दौरान कहा है कि एआई में वृद्धि से लोग मानवीय संबंध के लिए तरस जाएंगे और कला क्षेत्र में नौकरियों की मांग बहुत अधिक बढ़ेगी। उन्होने कहने का मतलब था कि आने वाले समय में एआई का विकसित रूप मनुष्यों को एक मनुष्य के रूप में ही सेवाएं देने में सक्षम हो सकता है। ऐसे में लोग मानवीय संबंधों के लिए तरस सकते हैं।

ऑल्टमैन ने ये बातें द लोगान बार्टलेट शो के दौरान उन नौकरियों के बारे में पूछे जाने पर कहीं जो एआई के कारण अगले पांच वर्षों में मुख्यधारा में आ सकती हैं। 2022 में जब चैटजीपीटी लॉन्च किया गया था, तो लोगों की नौकरी की सुरक्षा को लेकर बहुत सारे सवाल उठने लगे थे। एआई चैटबॉट उन चीजों को करने में सक्षम था, जिन्हें माना जाता था कि पहले मनुष्य ही कर सकते हैं।

जल्द ही, कई लोगों को डर लगने लगा कि एआई उनकी नौकरियां छीन लेगा। बहुत सारे विशेषज्ञों ने भी इस पर मुहर लगाई। जहां बड़े पैमाने पर विशेषज्ञों का मानना है कि एआई मनुष्यों के लिए खतरा है, वहीं कई जानकारों का रवैया आशावादी है और वे मानते हैं कि

इससे नई नौकरियों का सृजन होगा।

पॉडकास्ट के दौरान नौकरियों से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए ऑल्टमैन ने कहा, एआई के इस्तेमाल से नए प्रकार की कलाओं की व्यापक श्रेणी विकसित होगी, जो मानवीय संबंधों के अनुसार ही काम करेगी। मुझे फिलहाल नहीं पता कि इन नौकरियों का क्या नाम होगा, मुझे नहीं पता कि हम 5 साल में वहां पहुंचेंगे या नहीं। लेकिन मुझे लगता है कि मनुष्यों के लिए यह एक शानदार अनुभव होगा।

हाल ही में, ओपनएआई के सीईओ ने एक ब्लॉग पोस्ट में कंपनी के हालिया एलएलएम, जीपीटी 4श की प्रशंसा की थी। ओपनएआई के स्प्रिंग अपडेट इवेंट के दौरान इस एआई टूल का अनावरण किया गया था। यह वर्तमान चैटजीपीटी का एक स्मार्ट संस्करण है।

भारत के उपभोक्ता बाजार का आकार 2031 तक दोगुना हो सकता है, वित्त मंत्री ने जताया अनुमान

नई दिल्ली।
वित्त मंत्री ने दिल्ली में सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2024 के दौरान अनुमान जताया कि भारतीय उपभोक्ता बाजार का आकार 2031 तक दोगुना हो सकता है। इसके अलावे, भारत पांच वर्षों में वैश्विक विकास में 18 प्रतिशत तक का योगदान दे सकता है। इस दौरान वित्त मंत्री ने विनिर्माण क्षेत्र को और अधिक बढ़ावा देने पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने सीआईआई कार्यक्रम के दौरान कहा कि कई लोगों का सुझाव है कि भारत के पास सेवाओं में एक बड़ा अवसर है, लेकिन हम विनिर्माण को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। इसे अधिक निवेश और सरकारी नीतियों की मदद से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। सीतारमण ने कहा, '' मैं कुछ अर्थशास्त्रियों द्वारा दी गई इस सलाह के विपरीत कुछ रेखांकित करना चाहती हूं

कि भारत को अब विनिर्माण पर ध्यान नहीं देना चाहिए या विनिर्माण में तेजी नहीं लानी चाहिए... । मैं इस तथ्य पर जोर देना चाहती हूं कि विनिर्माण में वृद्धि होनी चाहिए। भारत को नीतियों की मदद से वैश्विक मूल्य श्रृंखला में अपनी (विनिर्माण) हिस्सेदारी भी बढ़ानी चाहिए।'' भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन सहित कुछ अर्थशास्त्रियों ने राय व्यक्त की है कि भारत को विनिर्माण के बजाय सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए क्योंकि उसने वह अवसर गंवा दिया है। उनका कहना है कि चीन के विनिर्माण-आधारित वृद्धि मॉडल को अब और दोहराया नहीं जा सकता। हालांकि, सीतारमण ने कहा कि विनिर्माण के विस्तार से भारत को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। उम्मीद जतायी कि भारत के पास अब भी अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ाने का अवसर है क्योंकि दुनिया कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद 'चीन प्लस वन' रणनीति पर ध्यान दे रही है। 'कैपजेमिनी रिसर्च इंस्टीट्यूट' की मई में जारी रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यूरोप और अमेरिका में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए निवेश स्थलों की सूची में भारत शीर्ष पर है, जो चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं और अपनी विनिर्माण क्षमता का कुछ हिस्सा उभरते बाजारों में स्थानांतरित करना चाहते हैं। सर्वेक्षण में शामिल करीब 760 अधिकारियों में से 65 प्रतिशत ने कहा कि वे भारत में उल्लेखनीय रूप से निवेश बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, '' यह अपने आप में हमारे भारतीय उद्योग को काफी बड़ा दायरा प्रदान करता है।

चेन्नई और बेंगलुरू के बीच होगा महामुकाबला

बेंगलुरु।
आईपीएल 2024 का 68वां मैच बहुत ही दिलचलस्प होने जा रहा है, जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और चेन्नई सुपर किंग्स प्ले ऑफ़ की आख़िरी जगह के लिए आपस में मुक़ाबला करेंगी। दोनों टीम अब तक एक दूसरे से 32 बार भिड़ी हैं, जिसमें बेंगलुरु को 10 और चेन्नई को 21 मैचों में जीत मिली है, वहीं एक मैच बिना नतीजे के समाप्त हुआ है। बेंगलुरू के चिन्नास्वामी मैदान में भी हुए 10 मुक़ाबलों में चेन्नई की टीम 5-4 से आगे है और इस साल इन दोनों टीमों के बीच चेन्नई में हुए मुक़ाबले में भी चेन्नई ने छह विकेट से बाज़ी मारी थी। आइए देखते हैं कि इस मैच में कौन-कौन से दिलचस्प मुक़ाबले देखे जा सकते हैं:

रवींद्र जडेजा होंगे चेन्नई के प्रमुख हथियार - यूं तो बेंगलुरू के छोटे मैदान में स्पिनरों की ख़ैर नहीं होती, लेकिन बेंगलुरू के बल्लेबाज़ों के ख़िलाफ़ अपने बेहतर टी20 रिकॉर्ड के कारण जडेजा इस मैच में अपनी छाप छोड़ सकते हैं। वह ग्लैन मैक्सवेल को सात तो विराट कोहली और दिनेश कार्तिक को तीन-तीन पारियों में आउट कर चुके हैं। क्रिस ग्रीन को उन्होंने दो पारियों में एक बार आउट किया है, जबकि बेंगलुरू के कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी को वह आउट भले ही नहीं कर पाए हैं, लेकिन उनके ख़िलाफ़ डुप्लेसी का स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 119 का है।

विराट कोहली को कौन रोकेगा - 13 पारियों में सर्वाधिक 661 रन बनाकर कोहली ने भले ही ऑरेंज कैप पर क़ब्ज़ा किया हुआ है, लेकिन उनके स्ट्राइक रेट पर लगातार चर्चा हो रही थी। इस सीज़न के पहले छह मैचों में बड़े स्कोर बनाने के बावजूद भी कोहली ने सिर्फ़ 131 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे, लेकिन पिछले सात मैचों में उन्होंने 193 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इस सीज़न कोहली ने पावरप्ले में 163 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जो कि उनके लिए किसी भी सीज़न में सर्वश्रेष्ठ है। वह इस मैच में भी अपने प्रभाव का जादू चला सकते हैं क्योंकि जडेजा को छोड़कर चेन्नई का कोई भी गेंदबाज़ टी20 मैचों में उन्हें परेशान नहीं कर पाता है और वह कम से कम 123 के स्ट्राइक रेट से उन पर रन बनाते हैं। शार्दुल ठाकुर के ख़िलाफ़ उनका स्ट्राइक रेट तो 160 का है।

अंजिक्य रहाणे और करण शर्मा का मुक़ाबला भी दिलचस्प होगा - पिछले साल अपने बल्ले से धमाका मचाने वाले रहाणे ने इस साल निराश किया है और 11 पारियों में बिना किसी अर्धशतक की मदद से उनके नाम 120 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ़ 209 रन दर्ज हैं। बेंगलुरू के लेग स्पिनर करण शर्मा आपको पावरप्ले में गेंदबाज़ी करते हुए दिखाई दे सकते हैं। करण ने रहाणे को आठ में से तीन पारियों में आउट किया है, जबकि रहाणे उन पर सिर्फ़ 114.28 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। इस तरह से करण, रहाणे की वापसी की किसी भी संभावना से इनकार कर सकते हैं।

ऋतुराज गायकवाड़ के लिए एक और बड़ा मैच - इस साल 583 रन बनाकर कोहली के बाद दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के लिए अपने रन योग को और आगे बढ़ाने का यह एक और मौक़ा होगा। क्रिस ग्रीन और स्वप्निल सिंह को छोड़ दिया जाए तो गायकवाड़ बेंगलुरू के हर गेंदबाज़ के ख़िलाफ़ 132 के ऊपर के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। ग्लेन मैक्सवेल के ख़िलाफ़ उनका स्ट्राइक रेट तो 390 का है, जबकि लॉकी फ़र्ग्यूसन, यश दयाल और मोहम्मद सिराज के ख़िलाफ़ भी वह क्रमश: 193, 142 और 132 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। हालांकि दयाल और सिराज ने उन्हें दो-दो बार आउट भी किया है।

न्यूज ब्रीफ

टी-20 वर्ल्ड कप के वार्म-अप मैच का शेड्यूल जारी: एक मैच खेलेगा भारत; पाकिस्तान, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने टी-20 वर्ल्ड कप के वार्म-अप मैचों का शेड्यूल जारी कर दिया है। टीम इंडिया अमेरिका और वेस्टइंडीज में अगले महीने खेले जाने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले केवल एक वार्म-अप मैच 1 जून को बांग्लादेश के खिलाफ यूएसए में खेलेगी। वार्म-अप मैच में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड नहीं खेलेंगे वर्ल्ड कप में भाग लेने वाली 20 टीमों में से 17 टीमें ही वार्म- अप मैच में हिस्सा लेंगी। वहीं पाकिस्तान, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीम वार्म-अप मैच नहीं खेलेगी। तीन शहरों में खेले जाएंगे वार्म-अप मैच वार्म-अप मैच 16 मैच 27 मई से 1 जून के बीच अमेरिका और वेस्टइंडीज के त्रिनिदाद एंड टोबैगो में खेले जाएंगे। टीमें स्क्वॉड के सभी खिलाड़ियों को मैदान में उतार सकती हैं प्रैक्टिस मैच 20 ओवर के होंगे और इन्हें इंटरनेशनल टी-20 का दर्जा नहीं मिलेगा। जिससे टीमें स्क्वॉड में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों को मैदान में उतार सकेंगी। दो बैच में रवाना होगी टीम इंडिया टीम इंडिया वर्ल्डकप के लिए दो बैच में रवाना होगी। टीम की रवानगी में भी बदलाव हुआ है। टीम इंडिया का पहला बैच पहले आईपीएल लीग स्टेज के खत्म होने के तुरंत बाद 21 मई को न्यूयॉर्क के लिए रवाना होना था। लेकिन, अब पता चला है कि टीम 25 और 26 मई को दो बैचों में रवाना होगी।

मैं अभी कुछ और साल खेलूंगा : रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह अपने 17 साल के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर से खुश हैं। साथ ही कहा कि वह अभी कुछ और साल विश्व क्रिकेट में खेलना चाहते हैं। रोहित ने कहा, भारत के लिए मेरे 17 साल का सफर शानदार रहा है और उम्मीद है कि मैं अभी भी कुछ और साल खेलूंगा और विश्व क्रिकेट पर प्रभाव डालूंगा। साथ ही कहा कि मैंने अपने जीवन में चढ़ाव से ज्यादा उतार देखे हैं और आज मैं जो भी इंसान हूं, वह अतीत में जो मैंने उतार-चढ़ाव देखा है, उसकी वजह से हूं। रोहित भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाजों में से एक हैं। साल 2007 में अपने डेब्यू से लेकर अबतक उन्होंने हर गुजरते साल के साथ अपने को निखारा है। बड़े-बड़े छक्के लगाने के साथ ही लंबी पारी खेलने में उन्हें महारथ हासिल रही है। उन्होंने कहा कि भारत की कप्तानी करना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि यहां तक पहुंचूंगा और एक दिन टीम की कप्तानी करूंगा। अच्छी चीजें अच्छे लोगों के साथ होती है। जब मैंने टीम की कप्तानी संभाली तो तो मैं एक ही दिशा में आगे बढ़ना चाहता था। एक टीम गेम इसी तरह खेला जाता है इसमें निजी रिकार्ड और उपब्धियों का अधिक महत्व नहीं है। 11 खिलाड़ी मिलकर खेले और ट्रॉफी जीते यही सभी का लक्ष्य होना चाहिए। रोहित ने कहा कि साउथ अफ्रीका की पिचे सबसे ज्यादा मुश्किल रही हैं। उन्होंने कहा कि यहां हर मैदान में आपको अलग-अलग तरीके से टेस्ट देना पड़ता है।

बचपन में तेज गेंदबाज बनना चाहते थे बोल्ट

जमैका । आठ ओलंपिक स्वर्ण विजेता एथलीट उसेन बोल्ट को क्रिकेट से बेहद प्यार है। टी20 विश्वकप 2024 के लिए ब्रांड एंबेसडर बने ल्ट बचपन में तेज गेंदबाज बनना चाहते थे। बोल्ट के अनुसार जमैका में क्रिकेट के प्रति दीवानगी का माहौल था। उनके पिता को भी ये खेल बेहद पसंद था। इस कारण उन्हें भी बचपन से क्रिकेट का शौक था। उनका पसंदीदा प्रारूप टी20 क्रिकेट है। बोल्ट ने कहा, 'मैं क्रिकेट देखकर बड़ा हुआ हूं। क्रिकेटर बनने का मेरा सपना तो पूरा नहीं हुआ लेकिन टी20 विश्व कप का एंबेसडर होना मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। इस एथलीट को को टीवी पर क्रिकेट और आईपीएल देखने का अधिक अवसर अब तक नहीं मिला है। उन्होंने कहा, 'मैं उतना क्रिकेट नहीं देख सका पर जब भी मौका मिलता है, मैं टी20 मैच देखता हूं। उन्होंने कहा, 'यह मेरा पसंदीदा प्रारूप है। इसमें आपको मजबूत, तेज और अच्छी रणनीति बनाने में माहिर होना पड़ता है। इसमें टेस्ट और एकदिवसीय दोनों का अलग रोमांच है। बोल्ट ने कहा, 'वेस्टइंडीज में टी20 और एकदिवसीय अभी भी लोकप्रिय है। लोगों को टेस्ट क्रिकेट उतना पसंद नहीं आता है। यह खेल की रफ्तार से जुड़ा है। आंद्रे रसेल जैसे बिग हिटर को देखने में मजा आता है। वेस्टइंडीज में टी20 क्रिकेट काफी लोकप्रिय है।

संन्यास के पीछे फिटनेस वजह नहीं, छेत्री ने इस वजह से लिया रिटायरमेंट, कही यह बात

नई दिल्ली।
भारत के लिए सबसे ज्यादा 150 मैच खेलकर सबसे ज्यादा 94 गोल कर चुके सुनील छेत्री ने एलान था किया कि वह कोलकाता में छह जून को कुवैत के खिलाफ मैच के बाद संन्यास लेंगे। छेत्री के संन्यास से भारतीय फुटबॉल के एक युग का अंत हो जाएगा। वह 2011 से टीम इंडिया के कप्तान हैं। बाइचुंग भूटिया के संन्यास लेने के बाद उन्हें कप्तान बनाया गया था। तब से अब तक वह यह जिम्मेदारी संभालते नजर आए हैं। हालांकि, 39 साल की उम्र में भी अभी वह काफी फिट दिखते हैं और पिछले दो साल में कई रिकॉर्ड को धराशाई किया है।

ऐसा कहा जा रहा था कि छेत्री ने बढ़ती उम्र, फिटनेस और थकान की वजह से संन्यास लिया है। अब छेत्री ने इन सभी रिपोर्ट्स को खारिज करते हुए खुद ही संन्यास के पीछे की वजह का खुलासा किया है। छेत्री ने कहा है- संन्यास के फैसले के पीछे शारीरिक कारण नहीं, बल्कि मानसिक पहलू है। मैं अभी भी फिट हूं।

संन्यास के एलान से पहले भावुक हो गए थे छेत्री

इससे पहले संन्यास का एलान करते हुए छेत्री भावुक हो गए थे। उन्होंने अपने परिवार के साथ भावनात्मक समय को याद करते हुए कहा कि उनकी मां और पत्नी की आंखों में आंसू थे। छेत्री ने कहा- मैंने अपनी मां, मेरे पिताजी और मेरी पत्नी, मेरे परिवार को पहले बताया था। मेरे पिताजी सामान्य थे, लेकिन मेरी मां और मेरी पत्नी रोने लगे और मैंने उनसे कहा कि आप हमेशा मुझे कहा करते थे कि बहुत सारे खेल हैं और जब आप मुझे देखते हैं तो बहुत अधिक दबाव होता है। अब मैं आपको बता रहा हूं कि छह जून को मैच के बाद मैं अपने देश के लिए नहीं खेल पाऊंगा।

करीब 20 साल लंबे करियर को छेत्री कहेंगे अलविदा

इस खेल में भारत के महान खिलाड़ियों में शुमार छेत्री बचपन में बेहद शरारती थे। उन्हें बचपन में फुटबॉल का शौक नहीं था और एक अच्छे कॉलेज में दाखिले के लिए ही इस खेल को चुना था, लेकिन किस्मत में कुछ और ही लिखा था। आमदनी का जरिया कब उनकी जिंदगी बन गया, यह खुद छेत्री को भी पता नहीं चल सका। छेत्री के सैनिक पिता खारगा छेत्री हमेशा से चाहते थे कि उनका बेटा पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी बने और वह हासिल कर सके जो वह खुद नहीं कर पाए। दिल्ली में सुनील ने फुटबॉल सीखना शुरू किया और सिटी क्लब से 2001-02 में जुड़े। इसके बाद वह मोहन बागान जैसे दिग्गज फुटबॉल क्लब के साथ 2002 में जुड़ गए। इसके बाद जो हुआ, वह भारतीय फुटबॉल के इतिहास में दर्ज हो चुका है। करीब 20 साल के स्वर्णिम करियर के बाद छेत्री ने अगले महीने कुवैत के खिलाफ विश्व कप क्वालिफाइंग मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला किया है।

मेसी को दी टक्कर

छेत्री मौजूदा समय में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले तीसरे सक्रिय खिलाड़ी हैं। उन्होंने इस मामले में लियोनल मेसी तक को टक्कर दी थी। जब छेत्री और मेसी दोनों के गोल 60 से 80 के बीच थे, तो छेत्री ने कुछ समय के लिए ही सही, लेकिन मेसी को पीछे छोड़ दिया था। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में छेत्री के ज्यादा गोल नहीं कर पाने और अर्जेंटीना के फीफा विश्व कप के बाद अन्य दोस्ताना मैच और टूर्नामेंट खेलने से मेसी उनसे काफी आगे हो गए।

टी20 विश्वकप में नेपाल के दीपेंद्र पर भी रहेंगी नजरें

नई दिल्ली ।
आगामी टी20 विश्वकप में इस बार नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी पर भी नजरें रहेंगी। टी20 विश्वकप एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में पहली बार 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिन्हें पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप में बांटा गया है। इन्हीं में से एक नेपाल टीम में शामिल दीपेंद्र अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण चर्चाओं में आये हैं। दीपेंद्र के नाम पर एक ओवर में 6 छक्के लगाने और टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम 9 गेंदों पर अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड है। दीपेंद्र ने गत माह 13 अप्रैल को टी20 में एक ओवर में 6 छक्के लगाने के भारत के युवराज सिंह और वेस्टइंडीज के किरोन पोलार्ड के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। ऐरी ने एसीसी प्रीमियर कप 2024 के अंतर्गत अल अमीरात में कतर के खिलाफ मैच में कामरान खान के ओवर में यह 6 छक्के लगाये थे। उन्होंने महज 21 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। टी20 में युवराज ने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड (टी20 वर्ल्डकप 2007)और 2021 में पोलार्ड ने श्रीलंका के अकिला धनंजय के ओवर में छह छक्के लगाए थे। कतर के खिलाफ इस पारी के दौरान दीपेंद्र ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरी बार 6 गेंदों पर लगातार 6 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की थी। इससे पहले दीपेंद्र ने 2023 एशियाई खेलों में मंगोलिया के खिलाफ मैच में भी लगातार 6 गेंदों पर छक्के लगाये हैं। लगातार 6 गेंदों पर उनके यह छह छक्के, दो ओवर के दौरान आए थे। यही नहीं हांगझू में एशियाई खेलों में उन्होंने सबसे कम गेंदों पर अर्धशतक जड़ने का रिकॉर्ड भी बनाया था। उन्होंने केवल 9 गेंदों पर 50 रन पूरे करते हुए युवराज सिंह के 12 गेंदों पर अर्धशतक बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ा था। टी20 में एक पारी में सबसे ऊंची स्ट्राइक रेट दीपेंद्र के ही नाम पर है।

टेस्ट टीम में अपने भविष्य पर ख्वाजा ने कहा, मैं अब भी अपना बेस्ट दे सकता हूं

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम के सीनियर और बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा, जो इस साल दिसंबर में 38 साल के हो जाएंगे, का मानना है कि उनके अंदर अभी भी भविष्य में ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम के लिए उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करने की क्षमता है। ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक 73 टेस्ट मैच खेल चुके उस्मान ख्वाजा ने 2023 में आईसीसी टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता। 2022 में ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी के बाद से ख्वाजा ने चौथे एशेज टेस्ट में दो शतकों के माध्यम से टेस्ट में 50 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। ख्वाजा ने वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स से कहा, मैं अभी भी अच्छी स्थिति में हूं! मैं हर मैच खेल रहा हूं, मुझे लगता है कि मैं सब ठीक कर रहा हूं! लेकिन ईमानदारी से कहूं तो, मैं अभी भी खेलों का आनंद ले रहा हूं, मुझे लगता है कि मैं अभी भी उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन कर सकता हूं। मैंने आईसीसी टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर जीता, मैंने कभी सपने में भी यह जीतने की उम्मीद नहीं की थी, खासकर दो या तीन साल पहले जब मैं टेस्ट टीम से बाहर था। मैं इस समय इस क्रिकेट टीम में खेलने का वास्तव में आनंद ले रहा हूं। मुझे लगता है कि मैं इसे निकट भविष्य में भी जारी रख सकता हूं, लेकिन मैं कभी भी बहुत आगे के बारे में नहीं सोचता।

ट्रायल्स को लेकर कुश्ती संघ 21 मई को कर सकता है फैसला, विनेश-अमन ने की थी यह मांग

नई दिल्ली।
भारतीय कुश्ती संघ आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टीम को चुनने को लेकर 21 मई को चयन मानदंड तय करेगा। सूत्रों के मुताबिक, संघ उसी दिन यह तय करेगा कि कोटा हासिल करने वाले खिलाड़ी ट्रायल में हिस्सा लेंगे या फिर सीधे ओलंपिक की तैयारी में जुट जाएंगे। कुश्ती संघ के ऐसा करने से विनेश फोगाट और अमन सहरावत जैसे पहलवानों को राहत मिलेगी, जो अभी इस अधर में लटके हुए हैं कि वह ट्रायल की तैयारी करें या फिर ओलंपिक की। भारत ने ओलंपिक खेलों के लिए कुश्ती में छह कोटा स्थान हासिल किए हैं। इनमें से पांच महिला पहलवानों को मिले हैं। अमन सहरावत पुरुषों के फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में कोटा हासिल करने वाले एकमात्र पुरुष पहलवान हैं। कुश्ती संघ ने कहा था कि वह 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले पहलवानों का चयन करने के लिए एक अंतिम ट्रायल आयोजित करेगा। पहले बताए गए मानदंडों के अनुसार यह कहा गया था कि अंतिम ट्रायल में शीर्ष चार में रहने वाले पहलवान एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे और उनमें से शीर्ष पर रहने वाला पहलवान कोटा विजेता के साथ मुकाबला करेगा। कुश्ती संघ के एक सूत्र ने कहा- डब्ल्यूएफआई ने चयन मानदंड

तय करने के लिए 21 मई को दिल्ली में चयन समिति की बैठक बुलाई है। दोनों शैलियों (पुरुष फ्रीस्टाइल और महिला कुश्ती) के दो मुख्य कोच चर्चा का हिस्सा होंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या डब्ल्यूएफआई चयन समिति ट्रायल कराने का फैसला करती है या फिर कोटा विजेताओं को ही खेलों में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देती है। यदि कोटा विजेताओं को प्रतिस्पर्धा की मंजूरी दी जाती है तो इसका मतलब रवि दहिया (पुरुषों की 57 किग्रा) और सरिता मोर (महिलाओं की 57 किग्रा) जैसे पहलवानों के लिए पेरिस के सपने का अंत होगा क्योंकि वे चयन के लिए अंतिम चुनौती पेश नहीं कर पाएंगे। टोक्यो ओलंपिक खेलों के चार कोटा विजेताओं- बजरंग पूनिया, दीपक पूनिया, रवि दहिया और विनेश फोगाट को अपने-अपने वर्ग में चुनौती पेश करने की स्वीकृति दी गई थी और खेलों के करीब उनका कोई ट्रायल नहीं हुआ था।

सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष 10 एथलीट्स में पांच फुटबॉलर, बास्केटबॉल के तीन

नई दिल्ली ।
फोर्ब्स ने साल 2024 के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष 50 एथलीटों की सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में कोई भी भारतीय नाम नहीं है और न ही क्रिकेट खेलने वाला कोई खिलाड़ी है। पिछली बार 2020 में किसी भारतीय एथलीट ने इस लिस्ट में जगह बनाई थी। तब विराट कोहली शीर्ष 100 की सूची में 66वें नंबर पर रहे थे। 2021 से वह फोर्ब्स की सूची से गायब हैं। 2024 की ताजा लिस्ट में पुर्तगाल और अल नस्र के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो शीर्ष पर हैं। उन्होंने इस साल 260 मिलियन यूएस डॉलर यानी 2167 करोड़ रुपये की कमाई की है। रोनाल्डो ने इस मामले में अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर और कप्तान लियोनल मेसी जैसे खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। रोनाल्डो पिछले साल भी शीर्ष पर थे। हालांकि, तब उनकी कमाई 136 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1133 करोड़ रुपये थी, जो कि इस साल लगभग दोगुनी हो गई है। साल 2024 में शीर्ष-10 कमाई करने वाले एथलीट्स की सूची में फुटबॉल के सबसे ज्यादा पांच खिलाड़ी हैं, जबकि बास्केटबॉल के तीन और गोल्फ-रग्बी (अमेरिकी फुटबॉल) के एक-एक खिलाड़ी हैं। मेसी लिस्ट में दूसरे से तीसरे स्थान पर लुढ़के इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीटों में दूसरे नंबर पर गोल्फ के खिलाड़ी जॉन रैम हैं। उनकी कुल कमाई 218 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1818 करोड़ रुपये की है। तीसरे नंबर पर 135 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1126 करोड़ रुपये की कमाई के साथ मेसी हैं। मेसी पिछले साल दूसरे नंबर पर थे और उनकी कमाई 130 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1084 करोड़ रुपये की रही थी। इस साल उनकी कमाई

तो बढ़ी है, लेकिन रोनाल्डो की तुलना में बेहद कम रही है। रोनाल्डो को सऊदी फुटबॉल लीग में अल नस्र से जुड़ने का फायदा हुआ, जबकि मेसी पीएसजी छोड़कर मेजर लीग सॉकर में मियामी टीम को जॉइन किया था। नेमार ने भी टॉप-10 में बनाई जगह इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीटों में चौथे नंबर पर स्टार बास्केटबॉल खिलाड़ी लेब्रोन जेम्स हैं। उन्होंने इस साल 128.2 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1069 करोड़ रुपये की कमाई की है। पिछले साल लेब्रोन चौथे नंबर पर ही थी। तब उनकी कमाई 119.5 मिलियन यूएस डॉलर यानी 996 करोड़ रुपये की रही थी। इस साल पांचवें नंबर पर गियानिस हैं। उनकी कमाई 111 मिलियन यूएस डॉलर यानी 925 करोड़ रुपये की रही है। छठे नंबर पर पीएसजी और फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे हैं। उनकी कमाई 110 मिलियन यूएस डॉलर यानी 917 करोड़ रुपये की रही है। एम्बाप्पे पिछले साल तीसरे स्थान पर थे। तब उनकी कमाई 120 मिलियन डॉलर यानी 1000 करोड़ रुपये की रही थी। सातवें नंबर पर 108 मिलियन यूएस डॉलर यानी 900 करोड़ रुपये की कमाई के साथ ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार हैं। आठवें नंबर पर 106 मिलियन यूएस डॉलर यानी 883 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फ्रांस के पूर्व स्टार फुटबॉलर करीम बेंजेमा हैं। जबकि नौवें नंबर पर 102 मिलियन यूएस डॉलर यानी 850 करोड़ रुपये की कमाई के साथ स्टार बास्केटबॉल प्लेयर स्टीफन करी हैं। 10वें स्थान पर अमेरिकी फुटबॉल यानी रग्बी प्लेयर लमार जैकसन हैं। उन्होंने इस साल 100.5 मिलियन यूएस डॉलर यानी 838 करोड़ रुपये की कमाई की है। पिछले साल से इस साल की लिस्ट में पांच खिलाड़ियों का अंतर है। पिछले साल इस लिस्ट में ज्यादातर खिलाड़ी बास्केटबॉल के थे। पिछले साल बॉक्सर कनेलो अल्वारेज (पांचवां स्थान, 110 मिलियन यूएस डॉलर), गोल्फर डस्टिन जॉनसन (छठा स्थान, 107 मिलियन यूएस डॉलर), गोल्फर फिल मिकेलसन (सातवां स्थान, 106 मिलियन यूएस डॉलर), पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर (नौवें स्थान, 95.1 मिलियन यूएस डॉलर) और बास्केटबॉल खिलाड़ी केविन डुरंट (10वां स्थान, 89.1 मिलियन यूएस डॉलर) इस लिस्ट में शामिल थे।

जानकारी

नीम के तेल में छिपा है हर रोग का उपचार

नीम की प्रयोग आयुर्वेदिक औषधि के रूप में किया जाता है। नीम के बीज से निकाला हुआ तेल हमारे कई काम आ सकता है। नीम के तेल में बहुत सारे औषधीय गुण छुपे हुए हैं। यह तेल बेहद ही सुगंध वाला होता है। ये सेहत और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इसके अलावा यह कई बीमारियों के लिए भी कारगर होता है। इसके बारे में विस्तार से बताते हैं।

मोतियाबिंद की बीमारी: आंखों में मोतियाबिंद और रतौंधी हो जाने पर नीम के तेल को सलाई से आंखों में अंजन की तरह से लगाएं। आंखों में सूजन हो जाने पर नीम के पत्ते को पीस कर अगर दाई आंख में है तो बाएं पैर के अंगूठे पर नीम की पत्ती को पीस कर लेप करें। ऐसा अगर बाई आंख में हो तो दाएं अंगूठे पर लेप करें, आंखों की लाली व सूजन ठीक हो जाएगी।

मलेरिया से बचाव: नीम से मलेरिया भगाया जा सकता है। इससे मच्छर और पैदा होने वाले लार्वा को खत्म किया जा सकता है। मच्छरों पर यह बहुत असरदार होता है। नीम के तेल से मलेरिया पर काबू पाया जा सकता है। किसानों के लिए यह जैविक कीटनाशक का काम करता है। यह पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाता। यह जमीन या पानी की आपूर्ति में कोई हानिकारक पदार्थ नहीं मिलाता, यह बायोडीग्रेडेबल है। यह मधुमक्खियों और केंचुए के रूप में उपयोगी कीड़े को नुकसान नहीं पहुंचाता।

स्वस्थ त्वचा: रूखी सूखी त्वचा के लिए नीम बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। एक्जिमा से स्किन पर सूजन और खुजली होती है। इसके लिए इफेक्टिड एरिया में नीम का तेल लगाएं। जलने की वजह से शरीर में जख्म बन जाने पर नीम का तेल लगाने से जख्म जल्दी ठीक हो जाते हैं। इन्फेक्शन से बचाता है। कील-मुंहासों और त्वचा के दाग भी दूर हो जाते है।

रक्तप्रदर मे लाभ: आधा चम्मच नीम का तेल दूध में मिलाकर सुबह-शाम को पीने से रक्तप्रदर और सभी प्रकार के प्रदर बन्द हो जाता है। एथलीट फूट, नाखून कवक जैसे त्वचा रोग फंगल संक्रमण के कारण होते हैं। नीम में पाए जाने वाले दो योगिक 'गेदुनिन' और 'निबिडोल' त्वचा में पाए जाने वाले फफूंद को समाप्त करते हैं और संक्रमण को कम करते हैं।

रुसी दूर करे: बालों को चमकदार, स्वस्थ बाल के लिए,सूखापन दूर करने के लिए नीम के तेल का प्रयोग करें। नीम का तेल नियमित लगाने से सिर की खुजली दूर होगी जिससे रूसी की समस्या ठीक हो जाएगी। इसके तेल से बाल दो मुंहे भी नहीं होते।गंजेपन की समस्या है तो सिर में नीम का तेल लगाएं। इससे जूएं-लीखें भी दूर हो जाती हैं।

दांतों और मसूड़ों की मजबूती: दांतों और मसूड़ों की समस्या में नीम का तेल की कुछ बूंदों मंजन में मिला कर मले। नीम के तेल में एंटी बेक्टीरियन तत्व पाए जाते हैं । जो दांतों में होने वाली समस्यओं जैसे दांतों के दर्द, दांतों का कैंसर, दांतों में सड़न आदि में राहत देता है।

रोके बढ़ती हुई उम्र: नीम में पाये जाने वाले तत्व ऑक्सीकरण रोधक होते हैं। जो चेहरे में होने वाले परिवर्तनों को रोक देते हैं। नीम के तेल लगाने से चेहरे की झुर्रियां कम होती है। और आपकी बढ़ती हुई उम्र रूक जाती है।

गर्मी और बारिश में सफर
खूबसूरत भी है खतरनाक भी

इन बातों का रखें ख्याल तो होगी आसानी

गर्मियों की छुट्टियां खत्म होते होते मानसून शुरू हो जाता है। अक्सर लोग इन्हीं दिनों सफर के लिए जाते हैं। ऐसे में इन बातों का रखें खास ध्यान।

हर मौसम में रखें ख्याल

इन दोनों ही मौसम में आप सफर पर सूती और ढीले ढाले कपड़े लेकर जायें। ये कपड़े जल्दी सूखने वाले और ईको फ्रेंडली हो तो और भी अच्छा है। इसी तरह सबसे आरामदेह फुटवियर को सफर के लिए रखें। इसके अलावा सनग्लास और सनस्क्रीन ले जाना बिलकुल ना भूलें।

स्ट्रीट फूड को विशेष तौर पर अवॉइड करें। इससे गैस, अपच और डिहाइड्रेशन जैसी प्राब्लम्स हो सकती हैं। ज्यादा ऑयली खाना खाने से भी बचें। ठंडे और लिक्वेड फूड जूस, तरबूज खाना प्रिफर करें।

अगर आप को कोई स्पेसफिक प्राब्लम है और उसकी दवायें खाते हैं तो उसे जरूर साथ रख लें। गर्भवती महिलायें पानी और स्नैक्स जरूर साथ में कैरी करें ताकि लंबे सफर के दौरान बीच बीच में कुछ खाती और पीती रहें। बच्चों के लिए भी सफर में कुछ खाने पीने लेकर जरूर चलें। सरदर्द, अपच, उल्टी रोकने वाली जरूरी दवायें और ओरल रिहाइड्रेशन पाउडर आदि ले जाना ना भूलें।

सफर चाहे कार, विमान, ट्रेन या बस किसी से भी करें पर सबसे कंफर्टेबल तकिया जरूर कैरी करें ताकि बैकपेन जैसी प्रॉब्लम्स ना हों। साथ ही थकान से बचने के लिए बीच-बीच में रुक कर थोड़ा आराम जरूर करें।

मानसून में कार के सफर में रखें याद

अगर आप बाई रोड कार से ट्रैवल कर रहे हैं तो इस बात का ख्याल रखें कि आप सड़क के लगभग बीच में ही गाड़ी चलायें। हालाकि कई बार भारी ट्रैफिक के दौरान यह संभव नहीं होता है लेकिन कोशिश करें आप सड़क के ज?यादा किनारे न जायें।

अक्सर लांग ड्राइव पर ब्रेक का प्रयोग कम होता है लेकिन बीच-बीच में हल्का सा ब्रेक लगाते रहें इससे ब्रेकिंग पैड सुखते रहेंगे और अचानक जरूरत पड़ने पर उनकी ग्रिप अच्छी रहेगी।

गाड़ी में म्यूजिक सुनना सबको पसंद होता है पर वाल्यूम को धीमा रखें जिससे कार पर पड़ने वाली बारिश की बूंदों की आवाज से आपको बारिश की गति का अंदाजा मिलता रहेगा।

बरसात में ड्राविंग के दौरान सड़क पर बड़े वाहन जैसे बस, ट्रक आदि से दूरी बनाये रखें और उन्हें ओवरटेक करने की गलती ना करें।

सड़क के किनारे मिट्टी वाले रास्ते से बचें। बारीश के बाद मिट्टी पर फिसलन बढ़ जाती है जो गति और ब्रेकिंग सिस्टम दोनों को प्रभावित कर नुकसान पहुंचा सकती है।

बनें टेक्नोफ्रेंडली

यात्रा के लिए मौसम कोई भी हो पर बड़े काम की बात है। आज कल स्मार्ट फोन्स और टैक्नॉलिजी का जमाना है। इसलिए सफर पर जाने के पहले कई सिक्योरिटी एप्स को अपने फोन में डाऊनलोड करके रखें। ये आपके लिए खासी मददगार साबित हो सकती हैं।

इन एप्स से आपको जहां आप घूमने जा रहे हैं उसके नक्शे, होटल से लेकर फ्लाइट्स या दूसरे सफर के साधनों और लेंग्वेज ट्रांसलेटर्स तक हर चीज में मदद कर सकती हैं।

सबसे आखिर में रवाना होने से पहले जिस जगह आप जा रहे हैं वहां की टूरिज्म वेबसाइट्स पर नजर डाल लें और समझ लें कि आपने सफर के लिए सही मौसम चुना है।

र्यूमैटॉइड अर्थराइटिस

जब खुद का दुश्मन बने शरीर...

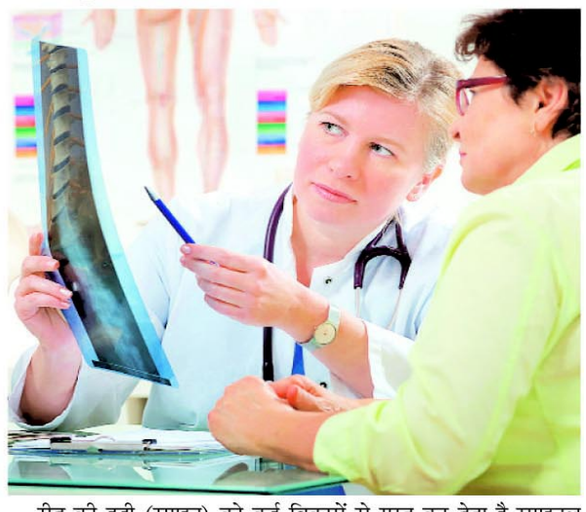

रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) को कई विकारों से ग्रस्त कर देता है स्पाइनल र्यूमैटॉइड अर्थराइटिस। रोग गंभीर है लेकिन जीन थेरेपी और अन्य आधुनिक इलाज से इस मर्ज को काबू में लाया जा सकता है। स्पाइनल र्यूमैटॉइड अर्थराइटिस ऐसी बीमारी है, जिसमें हमारे शरीर का रोग-प्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) हमें बचाने के बजाय हमारे शरीर पर ही आक्रमण करने लग जाता है। इस रोग में शरीर का रोग-प्रतिरोधक तंत्र हमारे शरीर के खिलाफ उसमें बनने वाले प्रोटीन, हड्डियों में स्थित कणों, जोड़ों, इंटरवर्टिब्रल डिस्क (आई. वी. डी) और रीढ़ की मांसपेशियों को खत्म करने लग जाता है। इसके परिणामस्वरूप हमारे जोड़ खराब होने लग जाते हैं, जिससे रीढ़ में विकार आ जाता है, जिसे हम स्पॉन्डिलाइटिस कहते हैं।

रोग का दुष्प्रभाव

स्पाइनल र्यूमैटॉइड अर्थराइटिस के कारण आने वाले अधिकतम बदलावों को पलटा नहीं जा सकता। इसके परिणामस्वरूप रीढ़ की हड्डी हमेशा के लिए कार्य करना बंद कर देती है या फिर इसमें अकड़न रह जाती है। ज्यादातर यह माना जाता है कि यह बीमारी लाइलाज है और इसके साथ ताउम्र रहना पड़ेगा। यह रोग कम उम्र खासतौर पर किशोरावस्था में शुरू हो सकता है। रोगी की गंभीरता को देखा जाए, तो इसका प्रभाव न सिर्फ रोगी के शरीर पर परंतु पीड़ित व्यक्ति के मस्तिष्क 58 और सामाजिक और आर्थिक स्थितियों पर भी पड़ता है।

बीमारी के लक्षण

जोड़ों में सूजन, अकड़न या लालिमा होना, थकावट महसूस करना, तेज बुखार होना र्यूमैटॉइड अर्थराइटिस के प्रमुख लक्षण हैं। यह रोग कम आयु में प्रारंभ हो जाता है, जिससे जल्दी ही रीढ़ की हड्डी में विकार और सूजन बढ़ जाती है। अंततः रीढ़ की हड्डी का स्पॉन्डिलाइटिस हो जाता है।

परंपरागत इलाज

परंपरागत इलाज के अंतर्गत र्यूमैटॉइड अर्थराइटिस में शुरुआती तौर पर तेज एंटी-इनफ्लेमेटरी दवाएं दी जाती हैं। दवा का प्रभाव बढ़ाने के लिए एंजाइम्स (ओरल फॉर्म टैब्लेट या कैप्सूल के रूप में) भी दिए जाते हैं। इसके अलावा डॉक्टर पल्स थेरेपी-भी कुछ समय के लिए देते हैं। इसमें स्टेरॉइड्स दिए जाते हैं। इलाज के दौरान डॉक्टर डिजीज मॉडीफाइंग ड्रग्स भी देते हैं। ये उपचार स्थायी रूप से बीमारी को ठीक नहीं करते, बस रोगी के लक्षणों में अल्पकालिक राहत प्रदान करते हैं।

स्टाइलिश दिखने के लिए चुनें सही आईवेयर

स्टाइलिश और अट्रैक्टिव दिखना चाहती हैं तो कलरफुल व डिजाइनर सनग्लासेस ट्राई करें। इन दिनों स्क्वेयर, रेक्टैंगुलर व हाफ फ्रेम वाले, कैट आई शेप वाले गॉगल्स अभी भी ट्रेंड में है...

स्टाइलिश और अट्रैक्टिव

स्टाइलिश और अट्रैक्टिव दिखना चाहती हैं तो कलरफुल व डिज़ाइनर सनग्लासेस ट्राई करें। इन दिनों स्क्वेयर, रेक्टैंगुलर व हाफ फ्रेम वाले सनग्लासेस ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं।

कैट आई शेप

कैट आई शेप वाले गॉगल्स अभी भी टेंड् में हैं लेकिन कलरफुल फ्रेम्स वाले गॉगल्स की बात ही कुछ अलग है।

स्पोर्टी लुक गॉगल्स

स्पोर्टी लुक के लिए स्क्वेयर शेप वाले ये गॉगल्स आपकी पर्सनैलिटी में चार चांद लगा देंगे।

हाफ फ्रेम वाले गॉगल्स

हाफ फ्रेम वाले ये गॉगल्स अट्रैक्टिव लुक के लिए पसंद किए जाते हैं।

मोटे फ्रेम वाले गॉगल?स

रेट्रो स्टाइल के मोटे फ्रेम वाले गॉगल्स यंगस्टर्स की पहली पसंद हैं। ये रेट्रो के साथ कैजुअल लुक भी देते हैं।

एविएटर शेप वाले गॉगल्स

स्टाइलिश दिखने के लिए एविएटर शेप वाले गॉगल्स को ट्राई करें।

रोज खाएं मुट्ठीभर भीगे हुए चने, फिर देखिए कमाल

बादाम यादाशत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। बच्चों ही नहीं बड़ों के लिए भी यह बहुत फायदेमंद होते हैं।

इसमें विटामिन इ, जिंक, कैल्शियम,मैग्नीशियम,मिनरल्स और ओमेगा- 3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं लेकिन बादाम की तुलना में चना कम कीमत में ज्यादा फायदे देता है। इसमें आयरन, प्रोटीन और कई मिनरल्स पाए जाते हैं। जो शरीर को एनर्जी देते हैं।

1. कमजोरी करे दूर

इनमें आयरन, प्रोटीन और मिनरल्स काफी मात्रा में पाए जाते हैं। इसे खाने से शरीर को कई एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं। इसके सेवन से कमजोरी दूर होती है।

2. हार्ट डीजीज

चना खाने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रहता है। इससे हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है और हार्ट हेल्दी रहता है।

3. एनीमिया में फायदेमंद

इसमें आयरन की मात्रा अधिक होती है। अगर आप एनीमिया की समस्या से परेशान हैं तो रोजाना चना खाने से इस समस्या से छुटकारा मिलेगा।

4. किडनी की सफाई

चने में फॉस्फोरस होता है जो हीमोग्लोबिन का लेवल बढाता है और किडनी से एक्स्ट्रा साल्ट निकालता हैं।

5. हेल्दी स्किन

इसे चबा कर खाने से स्किन हेल्दी और ग्लोइंग रहती है।

इसका रोजाना सेवन करने से स्किन से जुड़ी कई समस्याओं जैसे- खुजली और रैशेज से छुटकारा मिलता है।

6. यूरिन प्रॉब्लम

अगर आप बार-बार यूरिन जाने की समस्या से परेशान हैं तो भीगे चनों को गुड़ के साथ खाएं। ऐसा करने से इस प्रॉब्लम से राहत मिलेगी।

हेयर रिंग से दें बालों को नया स्टाइल

परफेक्ट मेकअप, हेयर स्टाइल और ड्रेस आपको स्टाइलिश दिखाता है। अगर आपका हेयर स्टाइल अच्छा न हो तो आपकी लुक खराब हो जाती हैं। बालों में स्टाइलिश लुक देने के लिए आजकल कई चीजों का इस्तेमाल किया जाता है जैसे कि हेयर रिंग। हेयर रिंग का इस्तेमाल करके आप सबसे अलग दिख सकती है। आजकल लड़कियां खूब हेयर रिंग बालों का यूज कर रही हैं। आज हम आपको बताते हैं कि कैसे आप हेयर रिंग का इस्तेमाल बालों को स्टाइलिश दिखा सकती हैं।

- हेयर रिंग बनाने के लिए आपको चोटी बनाना बहुत जरूरी है इसलिए सबसे पहले बालों की चोटी बना लें।
- हेयररिंग ज्यादा फ्रेंच, बॉक्सर और डबल डच हेयर स्टाइल पर अच्छे लगते हैं।
- अब इन्हें चोटी पर थोड़ी-थोड़ी दूरी पर लगाएं।
- ये रिंग्स बालों पर आसानी से ऐडजस्ट हो जाती हैं। इनको आप कोई डिजाइन देकर भी लगा सकती है।
- आप चाहें तो इन्हें अलग-अलग डिजाइन देकर लगा सकती है जिससे आपके बाल सुंदर लगें।

ऐसे दूर करे आंखों की थकान

खूबसूरत आंखे हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जरूरी नहीं कि आंखे सिर्फ मेकअप के साथ ही खूबसूरत दिखती है। नींद न पूरी होना या काम का प्रशेर अधिक होने से हमारी आंखे थकी-थकी लगती है, जिससे चेहरे की खूबसूरती कम हो जाती है।

आईब्रो पेंसिल: आंखों की थकान छुपाने के लिए आईब्रो पेंसिल का इस्तेमाल करें। अपनी आईब्रो को पेंसिल के साथ भरें। इससे आंखों की थकान भी छिप जाएगी और उन्हें नया लुक भी मिलेगा।

ठंडे खीरे के स्लाइस: अपनी आंखों को खीरे के स्लाइस से ढके। इससे आंखों की थकान दूर होगी।

आईशैडो: आईशैडो के साथ अपनी आंखों की थकान को छुपाएं। इसके लिए कुछ खास तरह से आईशैडो लगाएं। ऐसा करने से आपकी आंखे सुंदर भी दिखेगी।

क्लीनजिंग और मॉइस्चराइजर: स्किन की क्लीनजिंग करके आंखों पर ठंडे पानी के छींटे मारें। इसके बाद मॉइस्चराइजिंग क्रीम से हल्के हाथों से आंख के आस-पास मसाज करें। ऐसा करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा और आंखों की थकान दूर होगी।

रेसिपी

मसाला मशरूम

सामग्री

1 कटा टमाटर, 1 कटी प्याज,1 टुकड़ा दालचीनी, 2 छोटे चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, 6-7 लौंग,6-7 छोटी इलायची, 2 छोटे चम्मच तेल,1 छोटा चम्मच पिसी लाल मिर्च, नमक स्वादानुसार, 250 ग्राम कटा मशरूम, 1 कटोरी हरा धनिया।

विधि

इस को बनाने के लिए सबसे पहले मिक्सर में टमाटर, प्याज, दालचीनी और अदरक-लहसुन का पेस्ट, लौंग, इलायची और थोड़ा पानी डालकर पीस लें। अब एक पैन में तेल गर्म होने के बाद इस पेस्ट को डालकर कुछ देर भूनें फिर उसमें पिसी लाल मिर्च और नमक मिलाएं। सब चीजों को अच्छी तरह से मिला लेने के बाद उसमें मशरूम डालें। फिर से सब सामग्रियों के साथ मशरूम को मिलायें और अब 5—7 मिनट तक ढक कर पकाएं। अब उसको सर्विंग बाउल में ढालकर धनिया पत्ता से गार्निश करें और गरमागरम सर्व करें।

चॉकलेट लावा केक

सामग्री

200 ग्राम चॉकलेट
110 ग्राम मक्खन
3 अंड़े
60 ग्राम चीनी
1 टीस्पून वैनिला एक्सट्रेक्ट
30 ग्राम मैदा

विधि

एक पैन लेकर उसमें पानी डाल दें और इसमें चॉकलेट डालकर गर्म करें। इसमें मक्खन डालकर अच्छे से मिलाएं ताकि यह पिघल जाए। एक अलग बाऊल लेकर उसमें 2 अंड़े और1अंड़े का पीला भाग मिलाकर फैट लें। इसमें अब वनीला एसैंस और चीनी डालकर मिक्स कर लें। इसमें मैदा डालकर मिला लें। इसके बाद इसमें पिघली हुई चॉकलेट और मक्खन का मिक्सचर डालकर मिला लें। ध्यान रखें इसमें गांठ न पड़े। अब कप केक के पेपर सांचों पर मक्खन लगाएं ताकि केक इस पर चिपके न और इस पर थोड़ा मैदा छिड़क दें। इसमें अब केक का मिक्सचर डाल दें। ओवन को 350एस्र/180एष्ट पर प्री हीट करें और इसमें 5-10 मिनट के लिए कप केक को रखें। बेकिंग के बाद केक को सांचे से निकाल कर प्लेट में रखें और इसे चॉकलेट सिरप से गार्निश करें। वनिला आइसक्रीम के साथ इसे सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**